पल्स पोलियो टीकाकरण

World Health Organization

वैक्सीनेटर
प्रशिक्षण मॉड्यूल

नमस्कार कहते समय
वैक्सीनेटर समुदाय से कह रहें है कि **हम स्वयं**

न	–	नम्र स्वभाव के हैं।
म	–	ममता भरे बोल बोलते हैं।
स	–	समर्पित व्यवहार से कार्य करते हैं।
क	–	कार्यकुशल तथा कर्मठ हैं।
अ	–	अनुशासित रहते हैं।
र	–	रचनात्मक प्रवृत्ति के हैं।

स्वास्थ्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
(2005-2012)

संदेश

24, दिसम्बर 2010

प्रारम्भ से ही पोलियो हमारे देश के बच्चों में विकलांगता का प्रमुख कारण रहा है। अब तक प्रति वर्ष हजारों बच्चों को इस बीमारी का प्रकोप सहना पड़ा है।

गत वर्षों में किये गये अथक प्रयासों से हम अधिकांश क्षेत्रों में सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित करने में सफल रहे हैं, जिसका परिणाम आज हमारे सम्मुख है।

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष केवल 10 बच्चे पोलियो ग्रसित हुये हैं, जबकि पिछले वर्ष ऐसे बच्चों की संख्या 602 थी।

यह वैक्सीनेटर ट्रेनिंग मॉड्यूल पल्स पोलियो कार्यकर्ताओं का कौशल व उत्साह बढ़ाने की दिशा में एक और प्रयास है, ताकि हम इस बीमारी को जड़ से समाप्त कर सकें।

मैं सभी पोलियो उन्मूलन कार्यकर्ताओं को शुभकामनायें देता हूँ कि आपके इस निरन्तर प्रयास से हम सब **ßikfy;k eDr Hkkjr d lius dk** शीघ्रातिशीघ्र साकार कर सकें।

Mk0 ,l0 ih0 jke
महानिदेशक, परिवार कल्याण
अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
महानिदेशालय, परिवार कल्याण
उ0प्र0, लखनऊ

विषय सूची

fo"k;	i- l-	vof/k ¼vf/kdre 3 ?kaVs½
Hkwfedk	vii	
Hkkx & ,		
खण्ड– 1 ट्रेनीज का परिचय, पोलियो की वर्तमान स्थिति उत्तर प्रदेश में पोलियो कार्यक्रम की प्राथमिकताएं व पिछले राउण्ड की समीक्षा	3	10 मिनट
खण्ड– 2 प्रभावशाली वैक्सीनेटर, माइक्रोप्लान समीक्षा	5	10 मिनट
खण्ड– 3 वैक्सीनेटर के मुख्य कार्य	7	10 मिनट
खण्ड– 4 आवश्यक सामग्री व घर–घर भ्रमण पूर्व मीटिंग	9	10 मिनट
Hkkx & ch		
खण्ड– 1 वैक्सीन वॉयल मॉनीटर (VVM) और खुली वॉयल नीति	13	05 मिनट
खण्ड– 2 खुराक पिलाने की विधि	15	05 मिनट
खण्ड– 3 अंगुली पर निशान लगाने की विधि	17	05 मिनट
खण्ड– 4 घर–घर टीकाकरण कार्य व गतिविधियों की समय सारणी	18	20 मिनट
खण्ड– 5 घर–घर भ्रमण के समय परिवार से बातचीत व पूछे जाने वाले प्रश्न	20	20 मिनट
खण्ड– 6 घरों की मार्किंग, X का वर्गीकरण, बाईफेजिक कार्य	25	30 मिनट
खण्ड– 7 नवजात शिशुओं की पहचान, प्रतिरक्षण, ट्रेकिंग प्रपत्र भरना व पर्यवेक्षक द्वारा सत्यापन	29	20 मिनट
खण्ड– 8 परिवार की शंकाओं का समाधान	33	15 मिनट

खण्ड– 9	दस्त से बचाव की जानकारी तथा ORS व जिंक गोलियों का प्रयोग, स्तनपान का महत्त्व व विशेष संदेश	34	05 मिनट
खण्ड– 10	बी टीम कार्य	36	15 मिनट

Hkkx & Ih

वैक्सीनेटर के आपसी बातचीत व प्रदर्शन पर आधारित प्रशिक्षण हेतु निर्देश	41	**02 ?kaVk**

Hkkx & Mh

बूथ दिवस कार्यकलाप	59	30 मिनट

Hkkx & bl

ट्राज़िट एवं मोबाईल टीम के वैक्सीनेटरों का प्रशिक्षण	65	

संलग्नक– 1	प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न व उत्तर	72	
संलग्नक– 2	टैलीशीट एवं घरों का चिन्हीकरण करने का अभ्यास	74	

भूमिका

यह प्रशिक्षण माड्यूल उत्तर प्रदेश में वैक्सीनेटर तथा उनके सुपरवाइजर को प्रशिक्षित करने के लिए बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि प्रत्येक वैक्सीनेटर/सुपरवाइजर पोलियो कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को समझे एवं बच्चों को पोलियो खुराक की दो बून्द पिलाने में सक्षम रहे।

- जहाँ तक हो सके उत्तर प्रदेश के प्रत्येक वैक्सीनेटर ट्रेनिंग कार्यक्रम में समानता रहे।
- इस मॉड्यूल को पांच भागों में बाँटा गया है जिससे ट्रेनर को प्रत्येक पहलू पर समझाने में आसानी रहे तथा वह समयबद्ध रह सके जिसके फलस्वरुप वह पोलियो कार्यक्रम के भिन्न–भिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने में सक्षम हो तथा कोई भी विषय छूट न जाये।
    - भाग ए में ट्रेनर से अपेक्षा है कि वह प्रतिभागियों का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन करे। अभियान के कार्यान्वयन की तैयारी व समय सारणी की चर्चा भी इस भाग में की जाए।
    - भाग बी में अभियान के प्रचालन हेतु तकनीकी जानकारी (जैसे VVM, खुराक पिलाने की विधि, अंगुली पर निशान लगाने की विधि, घर पर टीकाकरण कार्य, घरों की मार्किंग इत्यादि) पर चर्चा की गई है।
    - भाग सी में बक्सर मॉड्यूल द्वारा "भाग बी" में चर्चित सभी विषयों को वैकल्पिक तरीके से कार्यान्वयन कराने का व्याख्यान किया गया है।

    Vuj vko';drk d vuqlkj Hkkx ch ;k Hkkx lh e l fdlh ,d Hkkx dk i;kx djA

    - भाग डी में बूथ वैक्सीनेटरों के प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण जानकारी की चर्चा की गई है। ट्रेनर इसका प्रयोग बूथ ट्रेनिंग हेतु करें।
    - भाग ई में ट्रांजिट एवं मोबाइल टीमों के प्रशिक्षण हेतु जानकारी है। ट्रेनर इन टीमों का प्रशिक्षण बूथ अथवा घर–घर टीमों के साथ न करें।
    - मॉड्यूल के अंत में दो संलग्नक दिये गऐ हैं, जिनमें परिवार द्वारा प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न एवं घर–घर टीकारण की टैलीशीट का अभ्यास कराने हेतु Exercise दी गई है।

- ट्रेनर ट्रेनिंग स्थल पर पहले पहुँचने का प्रयास करे, जिससे वह प्रशिक्षण स्थल व अन्य आवश्यक सुविधाओं का सुचारु रुप से मूल्यांकन कर सके।
- ट्रेनर अपने साथ ट्रेनिंग हेतु सामग्री (जैसे चार्ट पेपर अथवा ब्लैक बोर्ड, बोर्ड मार्कर, चॉक, वैक्सिन वॉयल, मार्कर पेन, अभ्यास हेतु टैलीशीट/नवजात पुस्तिका का प्रारूप इत्यादि) लेकर जायें।
- प्रशिक्षण में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को शामिल करें।
- जहां तक हो सके, नए वैक्सीनेटर को आगे बिठाएं।
- प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ करने से पहले सभी भागीदारों की उपस्थिति दर्ज करें। जाँचे कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले वैक्सीनेटर एवं सुपरवाइजर माइक्रोप्लान अथवा मेडीकल ऑफीसर के द्वारा तैयार की गयी सूची के अनुसार हैं। इसमें यदि कोई परिवर्तन है तो मेडीकल ऑफीसर को सूचित करें। अनुपस्थित वैक्सीनेटरों की सूचना मेडीकल ऑफीसर को लिखित में दें।

Vuj l fo'k"k vkxg fd;k tkrk g fd o tgk rd gk ld T;knk l T;knk le; oDlhuVj l

- **i'u iN o mud mÙkj lu**
- **jky&ly djok,**
- **dN fo"k;k dk inf'kr djok dj le>k; ;k dk;kfUor djok,**

भाग

ट्रेनर नोट्स हेतु

(खण्ड -1)

- प्रशिक्षण के आरम्भ में ट्रेनर वैक्सीनेटरों का एक दूसरे से परिचय करायें तथा नये वैक्सीनेटरों का अभिनन्दन कर प्रोत्साहित करें।
- विश्व, भारत व उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम की उत्साहवर्धक सफलता से अवगत करायें तथा पोलियो की वर्तमान स्थिति बताएं।
- निम्नलिखित प्राथमिकताओं को ट्रेनर सदा ध्यान में रखेंगे तथा इनके बारे में वैक्सीनेटर/सुपरवाइजर को बार–बार दोहराते रहेंगे, जिसके फलस्वरुप इन प्राथमिकताओं को कार्यान्वित करने में सफलता प्राप्त हो सकती है।

ट्रेनर वैक्सीनेटर से पूछे और प्राथमिकता अनुसार बोर्ड/चार्ट पेपर पर लिखे।

ikFkfedrk 1.

प्रत्येक परिवार में नवजात शिशु (पिछले राउन्ड से इस राउन्ड के बीच जन्में शिशु) की पहचान कर उन्हें प्रतिरक्षित करना।

ikFkfedrk 2.

पिछले राउण्ड में पहचान किए गए नवजात शिशुओं की लगातार एक वर्ष तक ट्रैकिंग करना।

ikFkfedrk 3-

आज व पिछले दिनों के X घरों के X से P में परिवर्तन के लिए प्रयास करना।

ikFkfedrk 4-

हाई रिस्क क्षेत्र (HRAs) तथा उच्च जोखिम वाले समूहों (HRGs) (जैसे, घुमन्तु आबादी, मलिन बस्तियाँ, निर्माणाधीन स्थलों, ईंट–भट्टे व पथेर तथा अन्डरसर्व्ड (underserved) समुदाय के इलाके, पलेज व डेरे इत्यादि) में प्रतिरक्षण सुनिश्चित करना।

ikFkfedrk 5-

पोलियो की खुराक पिलाने से इनकार करने वाले परिवारों में विशेष प्रयास करना तथा उस क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ जाकर इन परिवारों के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाना।

ikFkfedrk 6-

पल्स पोलियो अभियान के दौरान परिवारों को नियमित टीकाकरण, दस्त में ORS व ज़िंक की गोली का महत्व, व्यक्तिगत और अपने आस–पड़ोस में स्वच्छता, एवं स्तनपान के महत्व के बारे में अवगत कराना।

- ट्रेनर पिछले राउंड का लेखा जोखा (उपलब्धियों व कठिनाईयों का ब्यौरा बोर्ड पर लिखें) उल्लेखित करें। इसके लिये ट्रेनर निम्न बिन्दुओं की मदद लें। पिछले पोलियो अभियानों के आधार पर पर्यवेक्षक क्षेत्र के अनुसार प्रतिरक्षण टीमों द्वारा किये गये कार्य की उपलब्धियों एवं खामियों की चर्चा टैलीशीट एनालिसिस (Tally Sheet Analysis) मॉनीटरिंग फीडबैक व अन्य उपलब्ध पोलियो राऊण्ड के आंकड़ों (SIA data) के अनुसार करें। उन टीमों को उल्लेखित करें जिन्होने/जिनके :–
  - पिछले चरण में सराहनीय कार्य किया हो तथा उपलब्धि प्राप्त की हो।
  - नवजात शिशुओं का पता नहीं किया या उन्हें पोलियो की खुराक नहीं पिलायी।
  - क्षेत्र में प्रतिरक्षण से छूटा हुआ कोई क्षेत्र (Missed area) मिला हो।
  - उच्च जोखिम वाले समूहों में छूटे हुए बच्चे मिले हों।
  - X घर बहुत ज्यादा मिले हों तथा X से P परिवर्तन कम हो।
  - मध्यान्तर पश्चात X घरों का दोबारा भ्रमण नहीं किया।
  - पिछले दिनों के X घरों का P में परिवर्तन का प्रयास नही किया ।
  - घर–घर भ्रमण के दौरान 5 वर्ष तक के आयु के बच्चों की सही जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई, जिसके फलस्वरूप उनके क्षेत्र में फाल्स P की संख्या अधिक रही।
  - स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों की मदद नहीं ली या उनके प्रयासों के बावजूद उन्हे मदद नहीं मिली।
  - माइक्रोप्लान के अनुसार काम नहीं किया।
  - घर के बाहर, सड़क पर, खेल के मैदान में या खेतों में बच्चों को पोलियो की खुराक नहीं पिलायी।

उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर ट्रेनर आने वाली चुनौतियों की चर्चा करें।

bud vfrfjDr ml {k= d fy, vU; vko';d fo"k;k ij oDlhuVjk l ifjppk djA

(खण्ड –2)

bl Hkkx e Vuj fuEukfdr fo"k;k dk lEckf/kr dj

1. प्रभावशाली वैक्सीनेटर के गुण
2. माइक्रोप्लान

यह विषय ट्रेनीज़ से आपसी बातचीत से ही सफलता पूर्वक सम्बोधित हो सकते हैं। अतः ट्रेनर जहाँ तक हो सके आगें बढ़ कर न बोले तथा वैक्सीनेटरों को पूरा–पूरा मौका दें कि वह अपनी बात कर सके, इसके पश्चात ट्रेनर सुझाव व सारांश प्रस्तुत करें।

1- iHkko'kkyh oD lhuVj %&

- प्रभावशाली सुपरवाइजर/वैक्सीनेटर कौन है? इसकी चेक लिस्ट बनवायें।
- प्रभावशाली वैक्सीनेटर के मूल गुण "नमस्कार" का पूरा विवरण दें।
- ट्रेनर इन गुणों को पहले वैक्सीनेटर से पूछकर तथा सहमति प्राप्त करके ही लिखें।
- इन गुणों को बार–बार ट्रेनिंग के दौरान दोहराते रहें जिससे वैक्सीनेटर का मनोबल बढ़ता रहे।

2- ekbØklyku %

यह चर्चा करें कि वैक्सीनेटर व सुपरवाइजर कार्य आरम्भ करने से पहले अपने क्षेत्र के माइक्रोप्लान की समीक्षा कर प्लान की पूर्णता सुनिश्चित करें। वैक्सीनेटर व सुपरवाइजर निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दें :

- कार्य क्षेत्र के सभी विशेष क्षेत्रों (उच्च जोखिम वाले समुदाय (HRGs) जैसे घुमन्तु आबादियाँ, मलिन बस्तियां, निर्माणाधीन स्थल, ईंट–भट्टे व पथेर, डेरे, पलेज, बाढ़ ग्रस्त स्थान) तथा HRA इत्यादि का विवरण।
- विशेष ध्यान देने वाले underserved समुदायों व HRA का विवरण।
- नये जुड़े क्षेत्रो का माइक्रोप्लान में विवरण।

- क्षेत्र के नियमित टीकाकरण स्थल की जानकारी (टीकाकरण स्थल, दिन व कार्यकर्ता का नाम)।
- विश्राम के लिए उपयुक्त स्थान का विवरण।
- क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम।
- कार्य समाप्ति के पश्चात टीम द्वारा भ्रमण किए गये घरों की संख्या यदि माईक्रोप्लान से भिन्न हो तो इस स्थिति में पर्यवेक्षक से विचार–विमर्श की आवश्यकता।

(खण्ड –3)

oDlhuVj d e|[; dk;l

ट्रेनर वैक्सीनेटरों के प्रमुख कार्यों का स्मरण करायें तथा वैक्सीनेटरों को प्रोत्साहित करें कि **o viuh vko';d xfrfof/k;k dk Lo;: crk;:** तथा ट्रेनर उन्हें एक चार्ट पेपर पर नोट करता जाये व अन्त में उसका सारांश बतायें।

vfHk;ku l: io

पोलियो अभियान की तैयारी बूथ दिवस से 1 सप्ताह पूर्व प्रारम्भ करनी चाहिए। तैयारियों में निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दें :–

1- **iHkko'kkyh 0;fDr;k dh igpku %** प्रभावशाली व्यक्तियों की आवश्यक्ता बूथ एवं घर–घर टीकाकरण कार्यक्रम में होगी।

- ट्रेनर प्रतिभागियों से अपने क्षेत्र में स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे कि ग्राम प्रधान, सभासद (नगर में), धार्मिक नेता, शिक्षक, स्थानीय चिकित्सक, कोटेदार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, दाई, स्थानीय दुकानदार/साहुकार आदि में से सहयोगियों की सूची बनाने का आग्रह करें।
- उक्त सूची में नाम, पदनाम, पूर्ण पता (फोन नम्बर सहित) तथा प्रभावाधीन आबादी का उल्लेख किया जाए।

> ☞ **iR;d lk;o{kd l: Vheokj] fnolokj mDr lph ydj ÁHkkjh fpfdRlk vf/kdkjh dk ekbØklyku e: n'kku grq n: nA**

ikfy;k mUeyu

2- iHkko'kkyh 0;fDr;k ls lEidZ % प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग अभियान में निम्न कार्यों हेतु लिया जा सकता है :–

- उन क्षेत्रों में जहाँ बूथ उपस्थिति कम हो वहां बूथ पर लक्षित बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु।
- बूथ दिवस पर बूथ का उद्घाटन करने हेतु।
- प्रतिरोध वाले घरों एवं पिछले राऊण्ड के बचे हुए X घरों में उदासीन परिवारों को पोलियो खुराक के लिए प्रेरित करने हेतु।
- अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों के चयन में सहयोग।
- बूथ दिवस के व्यापक प्रचार हेतु गाँव में डुग्गी पिटवायें एवं चौकीदार के माध्यम से गुहार करवाऐं।
- ऐसे स्वैच्छिक संगठनो की पहचान करवाएं जो पल्स पोलियो का संदेश समाज में प्रसारित कर सकें।
- ग्रामीण/नगरीय क्षेत्रों में ऐसे स्थानों का चयन करने में सहयोग करें जहाँ प्रचार सामग्री (पोस्टर व बैनर) का प्रदर्शन किया जा सके।
- बूथ पर वैक्सीनेटर व अभिभावकों के बैठने हेतु मेज, कुर्सी, चारपाई आदि की व्यवस्था में सहयोग।
- बूथ स्थल पर सफाई व शुद्ध पेयजल व्यवस्था में सहयोग।
- पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के प्रचार हेतु रैली निकालने के लिए।

केवल ट्रेनर हेतु :–

- ट्रेनर प्रतिभागियों को बतायें कि स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों से अभियान के दौरान किस प्रकार का सहयोग अपेक्षित है।
- ट्रेनर प्रतिभागियों को ऐसे प्रभावशाली व्यक्तियों को तिथि, समय व कार्य स्थल की पूर्ण सूचना प्रदान करने के महत्व को समझाएं।

3- viu {k= e tkdj ekbØkIyku dh if"V dj ,o {k= dk uD'kk cuk yA

क्षेत्र में जाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई नई आबादी या समुदाय जैसे घुमन्तु आबादी एवं अस्थाई समुदाय आकर रह रहें है।

(खण्ड –4)

vko';d lkexh

vko';d lkexh tk oDlhuVj@l|ijokbtj dk dk;l dju l iol iklr djuh g%

ट्रेनर आवश्यक सामग्री की सूची वैक्सीनेटर से पूछकर ही बोर्ड पर लिखें। इसमें जहाँ तक हो सके ट्रेनर आगे बढ़ कर न बोले तथा वैक्सीनेटर को पूरा मौका दें जिससे वह अपनी बात कह सके।

> **oDlhuVj jkm.M dk gj fnu oDlhu ikflr LFky ij l|cg 7 cts l igy vo'; igp tk;s vkj oDlhu o vU; vko';d lkexh çklr dj yA**

ik;% fuEufyf[kr lkexh oDlhuVj dk ikl vo'; gkuh pkfg, %&

1. वैक्सीन कैरियर
2. आइसपैक्स
3. पर्याप्त मात्रा में क्षेत्र के लिए वैक्सीन
4. जिपर बैग
5. ड्रापर
6. वायल ओपनर
7. मार्कर पेन
8. टीम के कार्य अनुसार टैलीशीट – बूथ, घर घर भ्रमण, टाज़िट एवं मोबाईल
9. टैली–शीट भरने के लिए पैन

?kj&?kj Hke.k dju l igy Vhe o ekckby Vhe ;g vfrfjDr lkexh iklr djA

1. क्षेत्र का विस्तृत माइक्रोप्लान तथा नक्शा

2. घर–घर टैलीशीट
3. एक्स–टैलीशीट
4. चॉक / गेरू
5. नवजात शिशुओं का सूचना (पुस्तिका)
6. नियमित टीकाकरण कार्ड

भाग

ट्रेनर नोट्स हेतु

(खण्ड -1)

oDlhu ok;y ekuhVj ¼VVM½ vkj [kyh ok;y uhfr

वैक्सीन को सही रखने हेतु वैक्सीन वॉयल मॉनीटर की महत्ता बतायें।

प्रत्येक वैक्सीनेटर को VVM से अवगत करवाएं जिससे वह जान सके कि वैक्सीन प्रयोग के लायक है या नहीं, तथा उसकी गुणवत्ता बनाए रखने के तरीकों की जानकारी दें।

प्रत्येक वैक्सीनेटर को विभिन्न स्टेज के वी.वी.एम. वाले OPV वायल्स बारी बारी से वितरित कर वैक्सीन वायल मॉनीटर को जाँचने का अभ्यास कराऐं। यह जानकारी दें कि VVM जाँचने के लिए वॉयल को हथेली पर रखकर देखें।

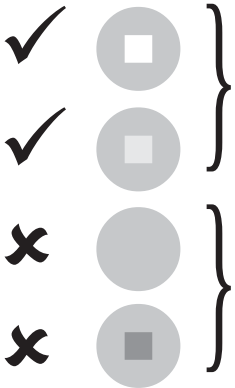

वैक्सीन का प्रयोग करें, यदि वैक्सीन के प्रयोग की मियाद (Expiry date) समाप्त नहीं हुई है।

वैक्सीन का प्रयोग नहीं करें।

वैक्सीन की गुणवत्ता का मापदण्ड केवल वी0वी0एम0 है तथा वैक्सीन के रंग का उससे कोई रिश्ता नहीं है। वैक्सीन वायल प्राप्त करते समय और क्षेत्र में पोलियो की खुराक पिलाने से पूर्व वायल पर वी0वी0एम0 की स्थिति जाँच कर पता कर लें कि पोलियो ड्राप्स पिलाने योग्य है या नहीं। यदि वायल प्रयोग के लायक न हों तो प्रयोग न करें तथा लेबल पर X का चिन्ह लगा कर अलग रख दें।

☞ **if'k{kd ifrHkkfx;k dk le>k, %&** क्षेत्र से वापस आये हुए आंशिक प्रयुक्त खुले हुये वायल एवं अप्रयुक्त बन्द OPV वायल का वी0वी0एम0 यदि अप्रयोग्य स्थिति में न पहुंचा हो तो उसे अगले दिन पुनः प्रयोग किया जाना चाहिए।

'khr J[kyk

निम्न बिन्दुओं पर चर्चा करें :

- वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने में शीत श्रृंखला का महत्त्व :–
- लक्षित बच्चों हेतु पर्याप्त वैक्सीन की आवश्यकता।
- कार्य के दौरान आइस पैक/बर्फ पिघल जाने पर क्या करें ?
- वायल को कब खोलें ? किस वायल का पहले उपयोग करें ?

ifrHkkxh lfuf'pr dj y

- आइस पैक जमे हुए हों
- वी0 वी0 एम0 को बचाने हेतु ओ0 पी0 वी0 वायल प्लास्टिक ज़िपर थैली मे रखें ताकि वी0 वी0 एम0 का लेबल गीला होकर निकल न जाए। थैली के ज़िपर को वॉयल निकालने के बाद पुनः बंद करें।
- वायल को सूर्य की सीधी किरणों से बचायें।

ppk e fuEu fcUnqvk ij fo'k"k cy n

- वायल खोलने हेतु वायल ओपनर का ही प्रयोग करें।
- एक समय में केवल एक ही वायल वैक्सीन कैरियर से बाहर निकालें।
- उपयोग के बाद ओ0 पी0 वी0 वायल का ढ़क्कन बन्द कर दें।
- उपयोग करते समय ओ0 पी0 वी0 वायल को 45° के कोण पर नीचे झुकाएं।
- ओ0 पी0 वी0 वायल में शेष अन्तिम बूंद का भी उपयोग करें।
- खाली वॉयलों को एकत्र कर वैक्सीन कैरियर से अलग रखें व प्रतिदिन कार्य समाप्ति पर PHC पर लौटायें।

(खण्ड –2)

bl Hkkx e [kjkd fiyku dh lgh fof/k d egÙo dh ppk djr g, oDlhuVj l lgh fof/k iN

दो वैक्सीनेटरों को एक–एक वॉयल देकर सही विधि से पोलियो की खुराक पिलाने का प्रर्दशन करवायें तथा बाकी ट्रेनीज़ देखें और बाद में टिप्पणी करें।

- खुराक की दो बूँद बच्चे के मुँह के अन्दर जानी बहुत जरुरी है।
- ड्रॉपर के सिरे को बच्चे के मुँह से 1 से 2 इन्च ऊपर रखें ताकि बूँद मुँह में गिरती हुयी दिखायी दे तथा ड्रापर बच्चे के होंठों को न छूए।
- बच्चे को माँ की गोदी में लिटा कर बच्चे के सिर को शरीर के अन्य हिस्सों से थोड़ा ऊपर रख कर खुराक पिलायें।
- सोते या रोते हुए बच्चे को खुराक न पिलायें।
- खुराक बच्चों को जगा कर अथवा खाँसी के रुकने पर ही पिलाये।
- खुराक पिलाते समय वॉयल को निम्न कोण (45°) पर रखें।
- खुराक पिलाते समय हमेशा ध्यान रखें की VVM ऊपर की तरफ हो तथा दिखता रहे।

- प्रत्येक बच्चे को खुराक पिलाने के बाद वॉयल को सीधा करें और दूसरे बच्चे को खुराक पिलाने के लिये वॉयल को पुनः चित्र में दर्शाये गये उचित कोण पर लायें।
- सुनिश्चित करें कि वॉयल का ढक्कन ठीक प्रकार से बन्द रहे। प्रत्येक वैक्सीन वॉयल हेतु नये ड्रॉपर का प्रयोग किया जाये।
- यदि किसी कारण से बच्चे के मुहँ में दो से अधिक बूँद चली जाये तो उससे बच्चे पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता है।

- यदि दो की बजाय एक बूँद ही पिलायी जाती है अथवा बच्चा खाँसी या उल्टी करके खुराक तुरन्त बाहर निकाल देता है तो बच्चा प्रतिरक्षित नहीं माना जायेगा।

,slh fLFkfr esa cPps dks nksckjk nks cwUn [kjkd fiykus ds ckn gh cPps ds gkFk dh NksVh mxayh ij fu'kku yxk;sA ;fn ifjokj cPps dks nksckjk [kjkd ugha fiykrk rks mUgsa le>kus dk iz;kl djsaA ;fn ifjokj rc Hkh ugha ekurk rks ,sls cPps dks vifrjf{kr ekus o mxayh ij fu'kku ugha yxk,saA

(खण्ड -3)

vxyh ij fu'kku yxkuk

अँगुली पर निशान लगाने की प्रक्रिया बताएं व प्रदर्शन करें :–

- निशान बाँये हाथ की छोटी उंगली पर पूरे नाखून और खाल को ढकते हुए लगाया जाए।
- निशान लगाने के बाद वैक्सीनेटर कुछ क्षण निशान सूखने दें अन्यथा बच्चा गीला निशान मिटा देगा या अँगुली चूस कर छुड़ा देगा।
- यदि अंगुली साफ न हो तो माँ को साफ करने का अनुरोध करें।

- कोशिश करें कि जो सदस्य वैक्सीन पिला रहा हो, वही अंगुली पर निशान लगाए।
- प्रतिभागियों को बतायें कि यह स्याही शीघ्र सूखती है और बच्चों के लिए पूर्णतया सुरक्षित है।
- मार्कर पैन का ढक्कन (Cap) पैन के प्रयोग के बाद शीघ्र बन्द कर दें। ऐसा करने से पैन जल्दी सूखता नहीं है। पैन को लिटा कर (Horizonal) रखें।

vH;kl djk;s & किसी नये वैक्सीनेटर को बुलाकर उसे दूसरे प्रतिभागी की अंगुली पर निशान लगाने हेतु कहें। इस प्रक्रिया को कम से कम दो बार करवायें।

vxyh ij fu'kku u gkuk = vifrjf{kr cPpk

(खण्ड –4)

?kj&?kj Vhdkdj.k dk;l o xfrfof/k;k dh le; lkj.kh

,&Vhe xfrfof/k

l|cg d le;

- घर–घर भ्रमण पूर्व टीम मीटिंग :– घर–घर भ्रमण से पूर्व टीम के सभी सदस्य अपनी टीम के सुपरवाइजर अथवा आपस में बातचीत के आधार पर टीम में प्रत्येक सदस्य का कार्य बांटे ताकि टीम के प्रत्येक सदस्य को पता रहे कि कौन क्या करेगा। प्रयत्नशील रहे कि V1 व V2 वैक्सीनेटर हर बार बदल–बदल कर काम करें ताकि उसकी जानकारी कार्यक्रम के हर पहलू पर हो। सदस्य एक ही काम बार बार करने से दूसरे पहलुओं में निपुणता नहीं पा सकता।
- सामान की प्राप्ति।
- नवजात शिशु पुस्तिका के अनुसार उन घरों को टैलीशीट में (✓) चिन्हित करना जिनमें गत चरण में इन बच्चों को प्रतिरक्षित किया गया था, ताकि इस चरण में उनकी ट्रैकिंग की जा सके।
- पिछले दिनों के X घरों का पुनः भ्रमण करना, प्रथम घर से अंतिम घर तक सभी घरों में भ्रमण करना।
- हर घर में प्रत्येक परिवार से सभी सवाल पूछकर बच्चों की जानकारी प्राप्त करना।
- नवजात से पाँच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्रतिरक्षित करना और प्रतिरक्षित करने के बाद बच्चों की अंगुली पर निशान लगाना।
- सभी बच्चों की जानकारी टैलीशीट में भरना।
- नवजात शिशुओं की जानकारी नवजात शिशु पुस्तिका में भरना।
- नियमित टीकाकण कार्ड वितरण।
- घरों को अंदर एवं बाहर चिन्हित (हाऊस मार्किंग) करना।
- माता–पिता द्वारा पूछे गए प्रश्नों को पूर्ण रूप से सुनना व उत्तर देने का प्रयास करना।

oDlhuVj ?kjk d ckgj] xyh ,o lMdk] [kr&[kfygku] ?kj] Mjk] Ldy] [ky d enku] vke d ckx bR;kfn e cPpk dk ifrjf{kr djr jgA

;fn Vhe dk mPp tkf[ke okys lenk; viu {k= e feyr gk rk budh lpuk mi;Dr i=i= e nA Vuj bl i=i= dk Hkju dk vH;kl vo'; djok,A

ckbQfPtd xfrfof/k %&

- उपयुक्त समय पर (घर–घर टीकाकरण आरम्भ करने से पहले अथवा बाद) पिछले दिनों के बचे हुए X घरों में पुनः भ्रमण सुनिश्चित करें।
- 2 बजे के पश्चात ऐसे समय पर सभी X घरों का पुनः भ्रमण करना जब बच्चों के घर पर मिलने के संभावना ज्यादा हो।
- सांय 4 बजे के बाद रिर्पोट एकत्र करना एवं वैक्सीन वापस करना।

xfrfof/k;k dh le; lkj.kh LFkkuh; ifjfLFkfr;k d vuqlkj fu/kkfjr djA ¼fuEufyf[kr ekxn'kZu d fy, g½

iFke ikyh

वैक्सीन प्राप्ति – 6:30–7:00 बजे सुबह

कार्य प्रारंभ – 7:00–8:00 बजे सुबह
(कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रभावशाली व्यक्तियों से सम्पर्क कर बाईफ़जिक कार्य हेतु प्रेरित करें)

प्रथम घर
(कार्यानुसार समय व्यतीत करें)

अंतिम घर
(1:00–2:00 बजे के बीच कभी भी)

iFke ikyh dh lekfIr

विश्राम स्थल पर हमेशा कम से कम एक वैक्सीनेटर उपस्थित रहे। इस दौरान बारी–बारी से वैक्सीनेटर भोजन इत्यादि कर सकते हैं।

(बाईफेज़िक कार्य)
2 बजे के बाद

प्रभावशाली व्यक्ति के साथ
वैक्सीनेटर X घरों में X - P परिवर्तन करें
(2–4 बजे अपराह्न तक)

टेलीशीट, X शीट वापस इकठ्ठा करना
(4 बजे)

oSDlhu dk ykSVkuk

(खण्ड –5)

bl [k.M e fuEu fcUnqvk dk lEckf/kr djA

- परिवार के साथ वार्तालाप
- प्रत्येक घर में पूछे जाने वाले प्रश्नों का विवरण
- परिवार द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर।

इन बिन्दुओं को सम्बोधित करने के लिये वैक्सीनेटर से चर्चा करें, रोल प्ले करायें व घरों में पूछे जाने वाले प्रश्नों का अभ्यास करायें।

वैक्सीनेटर को बतायें कि यह आवश्यक है कि कार्य का प्रारम्भ घर के भीतर जाकर ही किया जाए एवं सारे वार्तालाप, खुराक पिलाना, धन्यवाद करना इत्यादि घर के अन्दर जाने के बाद ही किये जायें।

> ☞ **;kn j[k % njoktk nLrd d fy, gkrk g] vki lh ckrphr d fy, ughA**

ifjokj okyk d lkFk okrkyki e lQyrk fey ldrh g ;fn %&

- आपकी टीम में महिला वैक्सीनेटर है तो उन्हें पहले घर के अन्दर भेजें।
- जहाँ तक हो सके किसी घर में बगैर इजाजत अन्दर ना जाएं।
- परिवार के लोगों के साथ नम्रतापूर्वक व आदरपूर्वक व्यवहार करें।
- जहाँ तक हो सके, सरल (यथासंभव स्थानीय भाषा) तथा स्पष्ट शब्दों का प्रयोग करें ।
- परिवार के लोगों को अपना परिचय दें और अपने आने का कारण बतायें।
- परिवार को कार्यसमाप्ति के पश्चात धन्यवाद करना न भूलें।
- यदि वैक्सीनेटर उसी गांव का हो तो आवश्यकता पड़ने पर अपना पता बताये।

mfpr vfHkoknu l vkil fo'okl dh dMh etcr gkrh gA ;fn oDlhuVj dk vfHkoknu ifjokj l[kn #i l Lohdkj djrk g rk oDlhuVj vk/kh lQyrk ik yrk gA

ik;% n[kk x;k g fd oDlhuVj ?kj e ?kl r gh ikfy;k dh ckr ikjEHk dj nrk g] tk dN ifjokjk dk vPNk ugh yxrkA

?kj d vUnj tku d i'pkr i;kl dj %&

यदि आप इस परिवार में पहले आ चुके हैं तो उस सन्दर्भ में बात शुरु कर सकते हैं। ऐसा करने से परिवार को अपनापन लगता है।

- परिवार की कुशलता पूछें।
- कोई ऐसी बात करें जिससे परिवारजनों के चेहरे पर मुस्कान या मुस्कराहट आ जाए।
- बच्चों की तारीफ करें (जैसे बच्चा सुन्दर लगता है इत्यादि)।
- बच्चों की कुशलता पूछें।
- पुरुष वैक्सीनेटर किसी और विषय पर पुरुषों से वार्तालाप कर सकते हैं (जैसे कृषि, मौसम, स्वास्थ्य इत्यादि)।

बहुत से वैक्सीनेटर उपर दी गई बातों का ध्यान करते हुए भी घर के अन्दर जाने में कठिनाइयों का सामना करते हैं। कुछ लोग घरों का दरवाजा नहीं खोलते हैं तथा अन्दर से ही इन्कार कर देते हैं, या दरवाजा तो खोलते हैं पर अन्दर नहीं आने देते है।

- प्रत्येक घर में अन्दर जाकर खुराक पिलायें, परन्तु यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो ऐसी अवस्था में दरवाजे पर पोलियो खुराक पिलायें और ऐसा करने के पश्चात परिवार से आग्रह करें कि अगले चरण में परिवार के साथ बैठ कर ही काम करने का आनन्द पाना चाहेंगे।
- यदि वैक्सीनेटर को परिवार के साथ संवाद करने में कठिनाई महसूस होती है तो अपनी टीम के दूसरे सदस्यों की सहायता लेना न भूलें।

Vuj oDlhuVjk dh vU; dfBukb;k dk fooj.k ckM@pkV i;ij ij fy[k rFkk mudk lek/kku ij ppk djA

iR;d ?kj e fuEu i'u bl Øe e vo'; iNA

(ट्रेनर इन प्रश्नों को कंठस्थ करवाने का प्रयास करें)

- सबसे पहले पूछें कि इस घर में कितनी जगह चूल्हा जलता है अर्थात कितने परिवार/किराएदार इत्यादि हैं।

iR;d ifjokj l ; i'u iN &

- आपके या किसी पड़ोस के घर में किसी नये बच्चे ने जन्म तो नहीं लिया?
- परिवार में सबसे छोटे बच्चे के बारे में पूछें।
- फिर उससे बड़े और फिर उससे बडे पाँच साल तक के बच्चों के बारे में पूछें।
- क्या परिवार के सभी बच्चे घर पर हैं?
- कोई बच्चा स्कूल, रिश्तेदार से मिलने, बाजार, खेल के मैदान या खेत पर तो नहीं गया है?
- कोई छोटा बच्चा अंदर सोया तो नहीं है?
- कोई बच्चा बीमार तो नहीं है (जिसके बारे में जानकारी नहीं दी गई हो)?
- आपके परिवार में अभी किसी मेहमान या रिश्तेदार का नवजात शिशु से पाँच साल तक का कोई बच्चा तो नहीं आया है?
- आपके घर के आस–पास 15 वर्ष तक का कोई ऐसा बच्चा तो नहीं है जिसके शरीर का कोई अंग पिछले 6 महीनों में लुंज–पुंज अथवा कमजोर हो गया हो?

- यदि एक घर में एक से अधिक परिवार हों तो सभी परिवारों से अलग–अलग सारे सवाल पूछें।
- यदि कोई बच्चा घर से बाहर हो तो उसके वापस आने का दिन व समय पूछ कर X टैलीशीट में लिखें।
- यदि प्रश्न पूछने वाला सदस्य कोई प्रश्न भूल जाये तो साथी वैक्सीनेटर वह प्रश्न पूछने में सहायता करे।
- जिन बच्चों की पाँच वर्ष की आयु पूर्ण होने में कोई शंका हो, उन बच्चों को भी खुराक पिलायें।

- वैक्सीनेटर इस तरह यह सुनिश्चित करें कि घर के सभी पाँच साल तक की आयु के बच्चों के बारे में जानकारी प्राप्त कर ली गयी है तथा उन्हें पोलियो की खुराक पिला दी गयी है।

Vuj bu i'uk dk vH;kl ckj&ckj oDlhuVj l iN&iN dj djok,A

oDlhuVj l jky&ly djok;

- रोल प्ले करने का उद्देश्य वैक्सीनेटरों में घरों में प्रवेश करने, प्रतिरक्षण के लिए लक्षित आयु वर्ग के बच्चों को ढूंढ़ निकालने, तथा अभिभावकों से विनम्रता पूर्वक व्यवहार करने की क्षमता विकसित करना है।
- दो प्रतिभागी वैक्सीनेटर बनें तथा एक प्रतिभागी परिवार का किरदार अदा करें। प्रशिक्षक उन्हें उद्देश्यों से सम्बन्धित रोल प्ले करने के निर्देश दे।
- रोल प्ले शुरू होने से पहले उसका उद्देश्य ट्रेनीज़ को न बताएं। रोल प्ले शुरू होने से पहले अन्य ट्रेनीज़ को समझाएं कि रोल प्ले के दौरान कोई बीच में न बोले तथा अपने विचार अंत में रखें। रोल प्ले के दौरान स्वयं भी बीच में न बोलें।
- अन्य ट्रेनीज़ इस प्रक्रिया को देखें और रोल–प्ले के उद्देश्य के सम्मुख इसमें अच्छा क्या किया तथा इसमें हुई कमियों को नोट करें। वे माँ के साथ हुए वार्तालाप, अभिवादन, दरवाजा खटखटाने व घर छोड़ने से पूर्व परिवारजनों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देने सम्बन्धित सुझाव दे सकते हैं।
- इसके पश्चात प्रशिक्षक ट्रेनीज़ से रोल प्ले में दर्शायी गई गतिविधियों में टीम के प्रदर्शन के बारे में एक एक विशेषता तथा एक कमी के बारे में पूछें तथा चर्चा करें। उनसे रोल प्ले के उद्देश्य पर चर्चा करें तथा अंत में अपने विचार प्रकट करें।
- रोल प्ले के पश्चात भागीदारों की प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दें तथा अन्य लोगो को भी प्रशंसा के लिए प्रेरित करें।

Vuj oDlhuVj dk ,0,Q0ih0 d ckj e tkudkjh n fd%&

- ए0 एफ0 पी0 क्या है ?
  - 15 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनका हाथ या पैर अथवा शरीर का कोई भाग अचानक लुंज–पुंज या लकवाग्रस्त हो गया हो।
- कितने दिन तक पुराने केस को रिपोर्ट करना है ?
  - जिनमें पिछले 6 महीने के अन्दर लकवे की शुरुआत हुई हो।

- ए0 एफ0 पी0 केस मिलने की स्थिति में बच्चे का नाम, पिता का नाम, पूरा पता इत्यादि लिखें और अपने सुपरवाईज़र को बतायें तथा निम्न में से किसी को तत्काल सूचित करेंः–
    - ◆ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सम्बन्धित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र,

      अथवा
    - ◆ जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी (District Immunization Officer),

      अथवा
    - ◆ एस.एम.ओ. – एन.पी.एस.पी. (Surveillance Medical Officer - NPSP WHO)

,sls dsl Hkh fjiksVZ djsa ftlesa cPpk yqt&iqt dk ckn fcydqy Bhd gks x;k gks] cPps dk eqg V<+k gks x;k gks vFkok rkyq dk ydok gks x;k gks ;k xnZu <hyh iM+ xbZ gks bR;kfnA

(खण्ड –6)

1. घरों पर X तथा P कब और कहाँ लगाना है
2. X का वर्गीकरण
3. मध्यान्तर कार्य प्रणाली (बाइफेजिक कार्य)

?kjks ij X rFkk P dc vkSj dgk¡ yxkuk gS

ट्रेनर घर पर X या P निशान लगाने की विभिन्न स्थितियों पर चर्चा करते हुए X घरों का सही वर्गीकरण व पुनः भ्रमण का महत्व समझाये। यदि वर्गीकरण सही नहीं हुआ या बाइफेजिक के दौरान ठीक समय पर पुनः भ्रमण नहीं हुआ तो बच्चे छूट जायेगें। इसका महत्त्व किसी छूटे हुए इलाके या फाल्स P से कम नहीं है।

tks Hkh fu'kku yxk;s oks lkQ gks rFkk i<k tk ldsA

P ekdZ rHkh yxk;s tc %&

1. घर खुला हो व परिवार में (घर में रहने वाले बच्चे, परिवार में बाहर से आये बच्चे अथवा अपने रिश्तेदारों के बच्चे) नवजात शिशु से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों ने पोलियो की खुराक इस राउन्ड में पी ली हो तथा वैक्सीनेटर ने स्वयं ऐसे प्रत्येक बच्चे की उंगली पर लगे हुए निशान को देख लिया हो।
2. परिवार में सारे बच्चे पाँच साल से ऊपर के आयु के हों और आज आपने पूछ लिया हो।
3. परिवार में कोई भी बच्चा न हो और आज आपने पूछ कर सुनिश्चित कर लिया हो।
4. इस घर के पाँच साल से छोटे बच्चे हमेशा (साधरणतया) बाहर रहते हैं तथा साल में एक–दो बार किसी त्योहार या शादी इत्यादि पर यहाँ आते हैं।

इस घर पर निशान इस प्रकार लगायें –

टीम नम्बर P घर संख्या →
तारीख

T36 P10 →
22.07.10

तीर का निशान टीम के कार्य की दिशा का संकेत करता है।

;fn fdlh ?kj esa ,d ls T;knk ifjokj gSa rks ?kj ds vUnj Hkh iR;sd ifjokj ds njokts ij ?kj la[;k ,oa fnukad dk fu'kku yxk;saA

P11

22.07.10

ifjokj ds e[; njokts ij fuEufyf[kr ifjfLFkfr;ksa esa X yxk;sa %&

1. जब सारे या कुछ नवजात शिशु से 5 साल तक के बच्चों ने पोलियो की खुराक नहीं ली हो। ऐसे बच्चे घर पर उपलब्ध नहीं हों और वे खेतों में, स्कूल में, बाजार, अपने दोस्त या रिश्तेदारों के घर अथवा अपने माता–पिता के साथ काम करने गये हों।
2. बच्चे घर पर ही हैं परन्तु माता–पिता पोलियो की खुराक पिलाने से मना कर रहे हैं।
3. मकान में ताला लगा है।
4. कोई बच्चा बीमार है अथवा सो रहा है तथा अभिभावक बाद में खुराक पिलाने के लिए इच्छुक हैं।
5. यदि किसी घर में कोई विशेष आयोजन (यथा शादी, यज्ञ, कथा, श्राद्ध इत्यादि) है तो उक्त घर में आयोजन समाप्त होने तक X अंकित करें तथा उसका प्रतिदिन पुर्नभ्रमण करें। X शीट में उसे XH वर्गीकृत करें।

X ?kj ij fu'kku bl çdkj yxk,sA

टीम संख्या X व घर संख्या

तारीख

T36 X40

22.07.10

टीम ऐसे स्थानों का भी भ्रमण करें, जहाँ चूल्हा न जलता हो पर बच्चों के होने की संभावना है, जैसे घेर इत्यादि। यदि कोई अप्रतिरक्षित बच्चा वहां मिलता है तो टीम उसे प्रतिरक्षित करेंगी।

Vhe bu LFkkuksa ij Vhe uEcj rkjh[k o rhj dk fu'kku bl idkj yxk,s %&

टीम संख्या

तारीख

T36

22.07.10

X ?kjk dk oxhZdj.k le>k;k&

- XH — बच्चा खेत, स्कूल, बाजार, खेलने गया है या सो रहा है, और उसके इस अभियान में B team तक लौटनें की संभावना है या परिवार को पता नहीं बच्चा कब लौटेगा? यदि किसी घर में कोई विशेष आयोजन (यथा शादी, यज्ञ, कथा, श्राद्ध इत्यादि) हो
- XS — बच्चा बीमार होने के कारण परिवार ने खुराक पिलवाने से मना कर दिया तथा ठीक होने के पश्चात खुराक पिलाने को इच्छुक है।
- XR — परिवार द्वारा बच्चे को खुराक पिलवाने से मना करना या आपको शक है कि परिवार बच्चे को छिपा रहा है।
- XV — बच्चा गाँव/शहर से बाहर या ननिहाल गया है तथा बच्चा इस अभियान की B team activity तक वापस नही लौट पायेगा।
- XL — घर पर ताला लगा है तथा परिवार के 6 सप्ताह बाद लौटने की संभावना है।

fo'k"k ifjfLFkfr;k &

- यदि एक ही घर में X के कारण अलग–अलग हैं, इस स्थिति में एक टैली शीट में निम्नानुसार किसी एक ही कारण में चिन्ह लगाएँ –

  XR + XS / XH / XV - XR का चिन्ह लगायें।

  XS + XH / XV - XS का चिन्ह लगायें।

  XH + XV - XH का चिन्ह लगायें।

  X वर्गीकरण की प्राथमिकता निम्न तरीके से समझी जा सकती है :–

XR>XS>XH>XV>XL

if'k{kd bl ckr ij fo'k"k cy nsa &

- टीम पिछले दिनों की X टैलीशीट को हमेशा साथ रखें और पिछले दिनों के बचे हुए X घरों पर सुबह जल्दी या देर शाम को जाकर P में परिवर्तित करने का प्रयास करे।

- यदि किसी परिवार के बच्चे गत कई चरणों में बीमारी के कारण अप्रतिरक्षित रहे हैं, तो यह छिपा विरोध हो सकता है।
- टीम को X टैलीशीट में बच्चे की वापसी का सम्भावित समय अवश्य अंकित करना चाहिये।
- टीम बच्चों के मिलने की संभावना वाले सभी स्थानों का भ्रमण कर वहाँ निशान लगाए।
- टीम X का वर्गीकरण घर की दीवार पर नहीं लिखेंगी।
- X घरों के वर्गीकरण व टैलीशीट भरवाने का अभ्यास संलग्नक 1 के अनुसार करायें।

> **if'k{kd Li"V dj fd x doy P e cnyk tk ldrk gA x dk oxhZdj.k ogh jgxk tk Vhe u igyh ikyh e Hke.k d le; fuèkkZfjr fd;k FkkA**

ckbQfTd dk;Z

- मध्यान्तर पश्चात X घरों का पुनः भ्रमण करें तथा X को P में परिवर्तित करने की कोशिश करें।
- दल के सभी सदस्य सभी X घरों का भ्रमण करे और जो बच्चे सुबह X घरों में घर पर नहीं मिले थे और दोपहर तक वापस आ गये, उन्हें खुराक पिला कर X को P में परिवर्तित करने का प्रयास करें।
- जिन घरों में बच्चे नहीं मिले, उन्हें अपने आने की अगली तारीख व समय (अगले दिन अथवा B टीम) के बारे में जानकारी दें तथा अनुरोध करें कि उस दिन बच्चे टीम को घर पर ही मिलें।
- X घरों में खुराक पिलाने के लिये प्रभावशाली व्यक्तियों की सहायता लें।
- पुनः भर्मण करने के पश्चात यदि घर P में परिवर्तित होता है तो ''P/दिनांक'' पिछली मार्किंग के X पर गोला लगाकर बगल में लिखें। यदि P में परिवर्तित नहीं हुआ तो RV तथा समय/दिनांक लिखें।

(खण्ड –7)

Vªuj oDlhuVjk dk ifjppk o vH;kl }kjk crk;s fd o dls uotkr f'k'kvk dh tkudkjh iklr dj rFkk Vªfdx djA

- घर–घर भ्रमण के दौरान नवजात शिशुओं की जानकारी प्राप्त कर उन्हें प्रतिरक्षित करें।
- नवजात शिशुओं की एक वर्ष तक ट्रैकिंग करें।
- पोलियो कार्यक्रम के अन्तर्गत नवजात शिशुओं की सूचना पुस्तिका को भरें।

uotkr f'k'k dh ifjHkk"kk %&

- पल्स पोलियो अभियान के सन्दर्भ में पिछले अभियान में टीम के भ्रमण के बाद से आज के अभियान तक जन्मे सभी बच्चों को नवजात शिशु की परिभाषा दी गई है।

uotkr f'k'kvk dk çfrj{k.k

- पल्स पोलियो अभियान में घर–घर भ्रमण के दौरान टीम, जो नवजात शिशु गत अभियान में टीम के भ्रमण के पश्चात् जन्म लिये हैं, उनका पता लगाकर तथा चिन्हित कर उनको पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित करें।
- परिवार तथा मुहल्ले, पड़ोसियों व बाहर खेल रहे बच्चों से नवजात शिशुओं की जानकारी प्राप्त करें।
- इन नवजात शिशुओं की घर संख्या, पिता का नाम एवं पता, लिंग, जन्मतिथि, परिवार का फोन नं0 नोट करें।
- नवजात शिशु के ननिहाल/अस्पताल मे जन्म की सूचना मिलने पर भी उसकी जानकारी टैली–शीट में एवं नवजात शिशु पुस्तिका में उपयुक्त स्थान पर अंकित करें और आगामी सभी चरणों में उनकी ट्रैकिंग कर पोलियो की खुराक पिलवायें।
- क्षेत्र में कोई परिवार या परिवार में कोई रिश्तेदार अथवा कोई किरायेदार, 1 वर्ष तक के बच्चों को साथ लेकर पहली बार आता है तथा लंबी अवधि तक वहीं रहेगा तथा कोई स्थानीय आवासी के 1 वर्ष तक के शिशु यदि किसी कारणवश पोलियो प्रतिरक्षण एवं ट्रैकिंग प्रपत्र में सूचीबद्ध नही हो पाये हैं, तो उन्हें सूचीबद्ध कर लगातार एक वर्ष तक सभी चरणों में आच्छादित करें।

uotkr f'k'k Vfdx

घर–घर भ्रमण की कार्यवाही प्रारम्भ करने से पहले वैक्सीनेटर नवजात शिशु की पुस्तिका में वर्णित उस दिन के कार्यक्षेत्र में पिछले चरणों में चिन्हित नवजात शिशुओं की गत चरण में अंकित घर संख्या (जो कि आज उन शिशुओं के सम्भावित घर होगें) को उस दिन की टैली–शीट पर निशान (✓) लगा कर चिन्हित करें। यह प्रक्रिया टीमों को सम्बन्धित घरों में नवजात शिशु की ट्रैकिंग हेतु सम्भावित उपस्थिति का स्मरण कराएगी।

?kj&?kj Hkze.k dk nkjku

- घर–घर भ्रमण के दौरान टीम नवजात शिशुओं को प्रतिरक्षित करें व पुस्तिका में बच्चों का नाम, लिंग, जन्मतिथि व माता/पिता का मोबाईल नम्बर इस नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका में अंकित करें। घर को छोड़ने से पहले नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका में उपयुक्त स्थान पर, यदि शिशु ओ.पी.वी. खुराक पी लेता है, तो घर संख्या Y/घर संख्या (उदाहरणार्थ Y/40) और यदि किसी कारण नवजात शिशु का टीकाकरण नहीं हो पाया है तो नवजात शिशु की पुस्तिका में उपयुक्त स्थान पर X की श्रेणी XR, XS, XH, XV, XL तथा घर संख्या (उदाहरणार्थ XH/40) अंकित करें।
- यदि किसी कारणवश नवजात शिशु का टीकाकरण नहीं हो पाया है तो ऐसे घरों में अपरान्ह/आगामी दिनों/बी टीम एक्टिविटी मे पुनः भ्रमण सुनिश्चित करें। पुनः भ्रमण में शिशु के प्रतिरक्षित होने की दशा में X को काटकर टीम/पर्यवेक्षक टीकाकरण की तिथि अंकित करें।
- नवजात शिशुओं की घर संख्या, पिता के नाम और पते के आधार पर पहचान कर उन्हे प्रतिरक्षित करने के बाद टैलीशीट में शिशु की वास्तविक घर संख्या को गोला ◯ बना कर चिन्हित करें।
- प्रत्येक चिन्हित शिशु के लिए एक नियमित टीकाकरण कार्ड पर पूरा विवरण भर कर दें।
- वैक्सीनेटर नियमित टीकाकरण की मुख्य बातें परिवार को बतायेः–
  - परिवार को माइक्रोप्लान के अनुसार टीकाकरण स्थल व टीकाकरण सत्र के आयोजित होने वाले दिन की जानकारी दें तथा नजदीकी उप–केन्द्र का पता व ए0एन0एम0 का नाम बतायें।

- परिवार को बतायें की BCG का टीका तपेदिक, DPT का टीका गलघोटू, काली खाँसी व टिटनैस, OPV की खुराक पोलियो तथा Measles का टीका खसरे से बचाव करता है।
- टीकाकरण कार्ड को सुरक्षित रखने व सत्र में ले जाने के लिए कहें।
- उन्हे बतायें कि कभी–कभी टीकाकरण के बाद हल्का बुखार या सुई लगने की जगह हल्की लाली आ सकती है। इससे घबरायें नही तथा टीकाकरण सत्र में दिये गये निर्देशों का पालन करें।

- टीम नियमित टीकाकरण कार्ड की अधकट्टी प्रत्येक दिन पी0एच0सी0 को लौटाना सुनिश्चित करें।
- अभियान में नियमित टीकाकरण कार्ड से टीम यह देखे कि शिशु को पिछले भ्रमण के पश्चात अन्य टीके लगे हैं या नहीं। यदि नहीं, तो वैक्सीनेटर नवजात शिशु के माता–पिता को शिशु को टीके लगवाने के लिए प्रेरित करें और यदि हाँ, तो नियमित टीकाकरण कार्ड देखकर उन्हें नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका में तारीख सहित अंकित करें एवं अगले टीके के लिए याद दिलाएं।
- पर्यवेक्षक नवजात शिशुओं की दैनिक संकलित रिर्पोट दिये गए प्रपत्र पर भरें तथा नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका के आधार पर जिन शिशुओं ने 1 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, उन शिशुओं की संख्या व इन में से कितने नियमित टीकाकरण में पूर्णतः प्रतिरक्षित है उनकी संख्या भी एकत्र करें।
- प्रत्येक अभियान की समाप्ति पर नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका को सुपरवाइजर एकत्रित कर टीम–वार संकलित करेगें।

vo'; djok,

- न्यू बार्न ट्रैकिंग शीट भरने का अभ्यास सभी वैक्सीनेटरों से अवश्य करवायें। दो या तीन वैक्सीनेटर से बोर्ड पर भी अंकित करवाऐं।
- नवजात शिशुओं के सूचना प्रपत्र के संबंध में समस्याओं तथा शंकाओं की चर्चा व समाधान करें।

☞ **;kn j[k% & ?kj&?kj Vhdkdj.k ds nkjku gj xyh&dwps rFkk eksgYys esa iMkfl;ksa vkSj ckgj [ksy jgs cPpksa ls uotkr f'k'kqvksa vkSj xksn esa nq/kewgksa ds ckjs esa tkudkjh ysrs jgsa rFkk mudk ifrj{k.k djsaA**

प्रत्येक वैक्सीनेटर को समझायें कि उत्तर प्रदेश में पोलियो का मुख्य कारण यह है कि कुछ नवजात व छोटे बच्चे हर बार हर चक्र में पोलियो की खुराक पीने से छूट रहे हैं और अधिकांश पोलियो छोटे बच्चों को हो रहा है।

पोलियो का उन्मूलन करने के लिए यह अति आवश्यक है कि वैक्सिनेटर नवजात व 2 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को हर बार हर राउन्ड में पोलियो की खुराक अवश्य पिलायें।

i;ksx{kd }kjk uotkr f'k'kq dh Vfdx dk lR;kiu

1. क्षेत्र में भ्रमण के दौरान स्थानीय दाई, आशा, आँगनवाडी कार्यकर्ता, ए0 एन0 एम0 एवं अन्य स्रोतों से नवजात शिशुओं की जानकारी प्राप्त करें।
2. पर्यवेक्षक P स्वीप के दौरान मिलने वाले एक वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे की जानकारी अपने P स्वीप प्रपत्र के पीछे अकिंत करें।
3. टीम से भेंट होने पर उपरोक्त जानकारियों का नवजात शिशु की पुस्तिका से मिलान करें (टीम द्वारा उस समय तक भ्रमण हो चुके घर की संख्या से पहले आने वाले प्रत्येक नवजात शिशु की जानकारी पुस्तिका में उपयुक्त स्थान पर अंकित होनी चाहिए)
4. यदि किसी नवजात शिशु का प्रतिरक्षण किसी कारणवश नहीं हो पाया है तो उस घर का X सूची में कारण सहित वर्णन सुनिश्चित करें।
5. नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका को भरने में त्रुटि होने की दशा में टीम का मार्ग–दर्शन करें।
6. घर–घर भ्रमण की कार्यवाही समाप्त होने के उपरान्त ऐसे नवजात शिशुओं को सूचीबद्ध करें जिनका इस चरण मे प्रतिरक्षण नहीं हो पाया है। ऐसे नवजात शिशुओं का प्रतिरक्षण बी टीम/ए0 एन0 एम0 द्वारा सुनिश्चित करायें।

(खण्ड -8)

ifjokj tuk dh 'kdkvk dk lek/kku rFkk lpuk nuk d egÙo dk le>uk

इस खण्ड में ट्रेनर परिवारों द्वारा पोलियो, पोलियो वैक्सीन अथवा कार्यक्रम के किसी भी पहलू पर पूछे जाने वाले प्रश्नों तथा उनके उत्तर की चर्चा करेंगे।

इस पर पहले परिचर्चा करायें। उसके पश्चात बोर्ड पर एक लिस्ट बनाने के पश्चात हर प्रश्न का समाधान ढूढ़ने का प्रयास करें।

iR;d oDlhuVj dk OPV oDlhu ,o ikfy;k jkx d ckj e fo'k"k #i l tkudkjh gkuh vfrvko';d gA bl idkj oDlhuVj ekrk&firk d ç'uk dk lgh tokc n ldxA

सामान्य रूप से पूछे जाने वाले प्रश्न व उत्तर मॉड्यूल के साथ संलग्नक–एक में दिए गए है।

प्रशिक्षक प्रतिभागियों को बतायें कि जब वे अभिभावकों से बात करें तो उनकी बात को :–

- पूरी तरह से सुने
- समझें
- उत्तेजित न हों

वैक्सीनेटरों से विभिन्न प्रश्न बारी–बारी तब तक पूछते रहें जब तक प्रशिक्षक को सन्तुष्टि नहीं हो जाती कि वैक्सीनेटर लोगों के सवालों का सरल, सटीक व स्पष्ट रुप से जवाब देने में सक्षम हो गये हैं।

अन्त में प्रतिभागियों से पूछें कि क्या पोलियो रोग व OPV वैक्सीन के बारे में चर्चित प्रश्नों के अतिरिक्त भी उनकी कुछ अन्य शंकायें है? यदि हाँ, तो प्रशिक्षक उनके बारे में चर्चा करें और उनके सन्तोषजनक उत्तर दें।

(खण्ड –9)

e[; lan'k

nLr ls cpko dh tkudkjh rFkk ORS o ftad xksfy;ka dk iz;ksx

- घर – घर भ्रमण के दौरान परिवार को बताए कि पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में दस्त की बिमारी के कारण बड़ी संख्या में मौते होती है। दस्त के कारण पोलियो के संक्रमण के लम्बे समय तक बने रहने की संभावना होती है व यह बिमारी पोलियो वैक्सीन के प्रभाव को भी कम कर देती है।
- दस्त की बिमारी का मुख्य कारण गंदगी, मल का गलत विसर्जन एवं व्यक्तिगत व भोजन की साफ सफाई का न होना है। निम्न बातों पर ध्यान देकर दस्त से बचाव किया जा सकता है :–
    - मल त्याग के लिए शौचालय का प्रयोग करें।
    - मल त्याग के बाद साबुन से हाथ धोए।
    - छः माह तक बच्चे को केवल माँ का दूध पिलाएं।
    - भोजन करने से पहले हमेशा हाथ धोएं।
    - भोजन पकाने, खाने व बच्चे को खिलाने से पहले हमेशा हाथ धोएं।
- घर भ्रमण के दौरान वैक्सीनेटर परिवार से पाँच वर्ष तक की आयु के दस्त से पीड़ित बच्चे की जानकारी लें। यदि परिवार में कोई बच्चा दस्त से पीड़ित हो तो निम्न करें :–
    - परिवार को प्रभावित बच्चे को ORS का घोल पिलाने के लिए कहें। ORS के साथ परिवार को जिंक की गोलियाँ भी लेने को कहें।
    - अविभावक को बतायें कि ORS का घोल साफ हाथों से साफ पानी में बनाएं। एक ORS पैकेट को एक लीटर पानी मे घोलें, बच्चे को ORS घूंट–घूंट करके थोड़े–थोड़े अन्तराल से पिलायें, छोटे बच्चे को साफ चम्मच से ORS पिलाएं, एक बार बने हुये घोल का प्रयोग 24 घंटे के अन्दर करें व बचे हुये घोल को फेंक दें। यदि आवश्यकता हो तो नया घोल बनायें।

◆ जिंक बच्चों में दस्त रोकने और दस्त से बचाने में सहायक है। यदि बच्चे की उम्र 2 माह से छः माह तक हो तो उन्हें बतायें कि 14 दिन तक रोज जिंक की आधी गोली बच्चे को दें। यदि बच्चा छः माह से बड़ा हो तो 20mg वाली एक गोली 14 दिन तक रोज दें। इससे बच्चों में दस्त की जल्दी रोकथाम में सहायता मिलती है।

◆ यदि बच्चे के मल में खून आ रहा हो या बच्चा खुराक न ले रहा हो, ORS का घोल न पी रहा हो, बार–बार उल्टी कर रहा हो या लगातार दस्त कर रहा हो, व लम्बे समय तक मूत्र त्याग न कर रहा हो तो नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टर की सलाह लेने के लिये कहें।

Lruiku dk egRo

6 माह तक माँ बच्चे को अपना दूध ही पिलाये, तत्पश्चात ऊपरी आहार के साथ स्तनपान 2–3 वर्ष तक जारी रखें। दस्त होने पर बच्चे को माँ का दूध पिलाते रहें। खिचड़ी, पतली दाल, सब्जियों का सूप, दही व केला भी खिलायें।

fo'k"k lns'k

- अपने बच्चों को लाइलाज व अपंग बना देने वाली पालियो और अन्य जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए उनको 5 वर्ष की उम्र तक पल्स पोलियो की प्रत्येक खुराक पिलायें व नियमित टीकाकरण करवायें।
- टीकाकरण कार्ड को सुरक्षित रखें व सत्र में लेकर जायें।
- यदि कोई टीका/पोलियो की खुराक छूट गई हो तो बच्चे को तुरन्त नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जायें।
- आप चाहे जहाँ भी जायें, अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवायें।
- 6 माह तक उम्र के बच्चें को माताएं केवल स्तनपान करायें। इससे बच्चे में बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

Vuj ;gk e[; lns'kk ij oDlhuVjk l jky ly djok;A

(खण्ड -10)

B Vhe dk dk;

Vuj X ?kjk e NV tku oky cPpk d ifrjf{kr gku dh vko';drk dh ppk dj rFkk mlh Øe e B-Team dk egRo crk,A

- A टीम का कार्य समाप्त होने के पश्चात सभी टीमें अपने–अपने क्षेत्र में बचे हुए सभी X घरों का पुनः भ्रमण करेंगी। A टीम का कार्य प्रायः शुक्रवार को समाप्त हो जाता है और B टीम का कार्य सोमवार से किया जाता है।
- टीमें अपने–अपने ब्लाक से वैक्सीन कैरियर, X टैलीशीट, नवजात शिशु पुस्तिका, चाक/गेरु और मार्कर पैन आदि सभी सामग्री सोमवार सुबह को प्राप्त करेंगी।
- सभी टीमें दिए गए बी टीम योजना प्रपत्र के अनुसार बचे हुए X घरों पर सोमवार सुबह/दोपहर/सायं में दौरा करेंगी और बचे हुए X घरों को P में परिवर्तित करने का प्रयास करेंगी।
- टीम घरों के भ्रमण के दौरान निम्न सवाल पूछेंगे :–
  - क्या घर में अप्रतिरक्षित बच्चा उपस्थित है ?
  - क्या घर में कोई मेहमान या रिश्तेदार का बच्चा आया हुआ है ?
  - क्या घर में या आसपास A टीम के बाद कोई शिशु जन्मा है ?
- यदि अप्रतिरक्षित बच्चा उपस्थित हो तो उसे प्रतिरक्षित करेंगी।
- यदि मेहमान का बच्चा आया हुआ हो तो उसकी अंगुली की जाँच कर उसे प्रतिरक्षित करेंगी।
- यदि टीम को A टीम के पश्चात् पैदा हुआ कोई नवजात शिशु मिलता है तो उसको प्रतिरक्षित कर उसका अंकन नवजात शिशु पुस्तिका में करें।
- नवजात शिशु के ननिहाल/अस्पताल मे जन्म की सूचना मिलने पर उसकी जानकारी नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका में उपयुक्त स्थान पर अंकित करें और आगामी सभी चरणों में उनकी ट्रैकिंग कर पोलियो की खुराक पिलाएं।

- X घरों के भ्रमण के दौरान माता–पिता को शिशु के नियमित टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।
- टीम भ्रमण के दौरान घरों के बाहर मिलने वाले बच्चों की अंगुली पर निशान देखेंगी व जिन बच्चों की अंगुली पर निशान नही होगा उन्हें प्रतिरक्षित करेंगी।
- X घरों के भ्रमण के दौरान प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता लें।
- कार्य की समाप्ति पर टीमें वैक्सीन, टैलीशीट, नवजात शिशु पुस्तिका, मार्कर पैन व अन्य सामग्री ब्लाक पर वापिस लौटायेंगी।
- **Vhe: lHkh i:dkj d: X ?kjk: dk nkjk dj:xh] pkg: mudk oxh:dj.k dN Hkh fd;k x;k gkA**

बीमार (XS) बच्चों के टीकाकरण के लिए विशेष प्रयास करें। इस कार्य के लिए स्थानीय चिकित्सक/MO के साथ ऐसे घरों का भ्रमण करें। अभिभावकों को बतायें कि हल्का बुखार, जुकाम, खाँसी, दस्त या किसी अन्य रोग से पीड़ित बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलाई जानी चाहिये।

fu"d"k

ट्रेनर प्रयास करें कि वह कम से कम चार अथवा छः वैक्सीनेटरों (जिसमें दो महिलायें अवश्य हों) के साथ पूरी ट्रेनिंग के लाभ पर टिप्पणी करें।

यदि हो सके तो प्रत्येक वैक्सीनेटर को खड़े करके शपथ ग्रहण करायें, कि वैक्सीनेटर अपना कार्य इस ट्रेनिंग के अनुरूप घर–घर में करेंगे तथा हर परिवार में नवजात से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने हेतु वचनबद्ध रहेंगे।

ट्रेनिंग समाप्ति पर प्रत्येक वैक्सीनेटर तथा सुपरवाइजर का दिल से धन्यवाद करें तथा कामना करें कि वह सब अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सफल रहें।

iR;:d Vfux dk vkjEHk dk Lrj ftruk egRoi.k g] mlls dgh T;knk mldk lekiu gkuk pkfg;:A

ट्रेनर नोट्स हेतु

भाग

ट्रेनर नोट्स हेतु

वैक्सीनेटर से आपसी बातचीत व प्रदर्शन पर आधारित प्रशिक्षण

¼cDlj ekM;y½ gr fun'k

यह पाया गया है कि वैक्सीनेटरों की जानकारी व कार्यक्षमता बढाने के लिए आपसी बातचीत व प्रर्दशन की विधि से दिया गया प्रशिक्षण टेनर के एक तरफा संवाद से ज्यादा प्रभावी है। इस विधि से प्रशिक्षक व वैक्सीनेटरों के बीच बिना किसी बाधा के एक दूसरे से खुले मन से विचारों का आदान–प्रदान होता है। यह पद्धति बिहार के बक्सर जनपद में प्रायोगिक तौर पर की गयी। इस पद्धति के प्रयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम की नीरसता खत्म हुई तथा वैक्सीनेटरों की दक्षता तथा क्षमता बढ़ी है। इस नयी पद्धति से वैक्सीनेटर की बेहतरी तथा कमज़ोरी वाले क्षेत्रों का भी पता चला जिससे प्रशिक्षण ज्यादा केन्द्रित एवं विशिष्ट हो सका।

यह पद्धति पूरे बिहार व उत्तर प्रदेश में सफलतापूर्वक अपनायी गयी है व इससे अच्छे परिणाम प्राप्त हुये हैं।

bl i)fr dk lQy gkuk e[;r% bu ckrk ij fuHkj djrk g %&

1. प्रशिक्षक को इस पद्धति को अपनाने के प्रति गम्भीर व समर्पित होना।
2. प्रशिक्षक का इस पद्धति में पक्का विश्वास होना।
3. पोलियो कार्यक्रम के हर पहलू की सम्पूर्ण जानकारी होना।
4. प्रशिक्षक का प्रबंधन कौशल व प्रशिक्षण सत्र का सुचारू रूप से संचालन करना।
5. प्रशिक्षक का अच्छा श्रोता होना

dk;l fof/k

प्रशिक्षक से अपेक्षा है कि वह प्रशिक्षण माड्यूल के भाग ए के समाप्त होने के बाद इस भाग को कार्यान्वित करें। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक/पर्यवेक्षक वैक्सीनेटरों से प्रश्न पूछें, उनके उत्तर सुनें व सही उत्तर बताने में मदद करें। आवश्यक है कि प्रशिक्षक वैक्सीनेटर से आपसी बातचीत पर विशेष बल दें क्योंकि अधिकांश वैक्सीनेटर कई बार प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त कर चुके हैं। उनको मुख्यतः अपने संदेह के निवारण, और सरलीकरण की आवश्यकता है। इससे प्रशिक्षण दिलचस्प बनता है और एक दूसरे से सीखने की प्रवृति को बढ़ावा मिलता है जिससे प्रशिक्षण प्रभावी होता है।

Ñi;k fuEu ckrk dk ikyu djA

1. आठ स्टाल बनाए और प्रत्येक स्टाल के बीच 5–7 फीट का फासला रखें।
2. प्रत्येक स्टाल पर दो कुर्सियां आमने सामने रखी जायें, जिसमें एक पर पर्यवेक्षक व उसके सामने वैक्सीनेटर बैठे।
3. प्रत्येक स्टाल पर पर्यवेक्षक पोलियो कार्यक्रम के एक या दो पहलुओं पर बात करें और प्रत्येक स्टाल पर उनका नाम स्पष्ट लिखें।
4. आठ पर्यवेक्षकों की पहचान करें जो वैक्सीनेटर से आवश्यक प्रश्न करेंगे और उनके उत्तरों में अपेक्षा अनुसार सुधार कराएंगे।
5. सभी पर्यवेक्षक प्रश्न करेंगे और वैक्सीनेटर के उत्तर के अनुसार ग्रेडिंग को एक शीट पर लिखेंगे।
6. पर्यवेक्षकों को स्टाल संचालित करने से पहले प्रशिक्षण देना आवश्यक है।
7. स्टाल निम्न क्रम में लगायें।

स्टाल नम्बर	स्टाल का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
एक	घरों में प्रवेश करना व माता पिता से पूछे जाने वाले प्रश्न	
दो	नवजात शिशु पहचान व ट्रैकिंग	
तीन	खुराक पिलाने की सही विधि व अंगुली पर निशान लगाना	
चार	घरों की मार्किंग व टैलीशीट भरना	
पाँच	X घरों का वर्गीकरण	
छः	VVM और कोल्ड चेन की जानकारी व रखरखाव	
सात	प्राय पूछे जाने वाले प्रश्न	
आठ	नियमित टीकाकरण, स्तनपान व दस्त के लिए दिए जाने वाले ORS तथा जिंक गोलियों की जानकारी	

i;lo{kd dk çR;d LVky ij oDlhuVj dk eY;kdu ii= vo'; nA LVky ij iN tku oky i'u o mud mÙkj ml LVky d i;lo{kd dk nA i;lo{kd d }kjk iol fu/kkfjr i'u gh LVky ij iN tk,A ;g i'u SMO ,o Vuj d }kjk fu/kkfjr fd, tk,xA

Vuj ;g lfuf'pr dj fd

- प्रत्येक वैक्सीनेटर सभी आठ स्टालों पर जाएं।
- एक बार में एक ही वैक्सीनेटर एक स्टाल पर रहें। अन्य वैक्सीनेटर स्टालों से उचित दूरी पर रहें, आपस में बातचीत न करें व अनुशासन बनाए रखें।
- प्रत्येक स्टाल के बीच उचित दूरी हो तथा एक स्टाल में हो रही बातचीत से दूसरे स्टाल में बाधा न आए।

çR;d i;o{kd }kjk mlds LVky dk lpkfyr djus ds fy, fd, tkus okys dk; %&

स्टाल का संचालन कर रहे पर्यवेक्षक वैक्सीनेटर द्वारा प्रश्न का उत्तर दिए जाने के तुरन्त बाद उसका ग्रेड शीट पर अंकित करेगें। ग्रेडिंग निम्न प्रकार से की जाएगी :–

xM A & यदि वैक्सीनेटर पूछे गए प्रश्न का सही उत्तर बताता है तथा सम्बन्धित कार्य को कर के दिखा पाता है।

xM B & वैक्सीनेटर प्रश्न का पूरा सही उत्तर नहीं जानता है और न ही पूरा कार्य करके दिखा पाता है।

xM C & वैक्सीनेटर न तो सही उत्तर जानता है और न ही कार्य करके दिखा पाता है।

i;o{kd xfMx djus ds i'pkr ch o lh xM ik;s oDlhuVj dk ekds ij gh lgh tkudkjh nxA

i;o{kdk dk çf'k{k.k vki lh ckrphr dh bl i)fr dh lQyrk dk ey vk/kkj gA

bl vH;kl es çf'k{kd dh e[; ftEenkjh ;g lfuf'pr djuk g%&

1. पर्यवेक्षक ठीक तरह से प्रशिक्षित हो।
2. प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो।
3. प्रशिक्षण में सही माहौल व व्यवस्था बनी रहे।
4. इस बात को सुनिश्चित करना कि पर्यवेक्षक ग्रेडिंग ठीक से करें।

5. ग्रेड़िंग की एक कापी पी॰एच॰सी॰ इन्चार्ज एवं एक कापी एस॰एम॰ओ॰ को भेजी जाये।

egRoi.k ukV & प्रशिक्षक एक स्टाल से दूसरे स्टाल पर घूम–घूम कर सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक प्रश्न पूछे जा रहे है और पर्यवेक्षक वैक्सीनेटर को ग्रेड़िग के तुरन्त बाद आवश्यकता अनुसार उनके उत्तर में सुधार करा रहे हैं।

çf'k{kd ,l ñ,e ñvkñ@,l ñvkjñVhñ,y dh lgefr l LVky dh l[;k de dj ldr g o LVky d fy, dkbZ vU; fo"k; pu ldr g

çf'k{kd vko';drk vuqlkj Hkkx&, e dN vfrfjDr fo"k;k dk Hkkx&ch d rjhd l lEckf/kr dj ldr g o cp g, fo"k;k dk Hkkx&l h e ijk dj

प्रत्येक स्टाल पर पूछे जाने वाले प्रश्नों को पहले से ही निर्धारित कर लें तथा इसकी चर्चा TOT में SMO से कर ली जाए।

(स्टाल -1)

?kjk e ioo'k djuk o ekrk firk l iN tku oky i'u bl LVky d nk lD'ku g

lD'ku&,d % ?kj e ioo'k dl dj %&

- घर में प्रवेश करने से पहले दरवाज़ा खटखटाएं।
- घर में जितना हो सके परिवारजनों से बातचीत करें।
- नमस्ते या अस सलाम आलेयकुम से शुरूआत करते हुए परिवार का अभिवादन करें।
- यदि वैक्सीनेटर नया हो तो पहले परिवार को अपना परिचय दें।
- बच्चे और परिवार की भलाई की बाते करते हुए पोलियो के बारे में बातचीत करें।

lD'ku&nk % og i'u tk oDlhuVj dk gj ifjokj l iNu g%&

- सबसे पहले पूछें कि इस घर में कितनी जगह चूल्हा जलता है अर्थात कितने परिवार/किराएदार इत्यादि है।

iR;d ifjokj l ; i'u iN &

- आपके या किसी पड़ोस के घर में किसी नये बच्चे ने जन्म तो नहीं लिया ?
- यदि कोई नवजात नहीं है तो उस परिवार के सबसे छोटे बच्चे के बारे में पूछें। फिर उससे बडे और फिर उससे बडे पाँच साल तक के बच्चों के बारे में पूछें। क्या परिवार के सभी बच्चे घर पर हैं ?
- क्या कोई बच्चा स्कूल, रिश्तेदार से मिलने, बाजार, खेल के मैदान, या खेत पर तो नहीं गया है?
- कोई छोटा बच्चा अंदर सोया तो नहीं है?
- कोई बच्चा बीमार तो नहीं है जिसके बारे में जानकारी नहीं दी गई हो ?
- आपके परिवार में अभी किसी मेहमान या रिश्तेदार का नवजात शिशु तथा पाँच साल तक का कोई बच्चा तो नहीं आया है?

- आपके घर के आस–पास 15 वर्ष तक का कोई ऐसा बच्चा तो नहीं है जिसके शरीर का कोई अंग पिछले 6 महीनों में लुंज–पूंज अथवा कमजोर हो गया हो ?

fuEu fcUnqvksa ij ckr dj%&

- क्या वैक्सीनेटर को परिवारजनों से अभिवादन के विषय में उपयुक्त जानकारी थी ?
- क्या वैक्सीनेटर को बातचीत के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों के विषय में जानकारी थी ?
- क्या वैक्सीनेटर क्रमवार उपयुक्त प्रश्न (जैसे घर में चूल्हे और नवजात शिशु) से आरम्भ कर रहा है? यदि उपयुक्त क्रम नही है तो वैक्सीनेटर के ग्रेड का स्तर निम्न होगा।
- यदि वैक्सीनेटर क्रमवार प्रश्नों को नहीं पूछ रहा है तो सुपरवाईज़र को उसे क्रमवार प्रश्न पूछने के लिए अवश्य प्रशिक्षित करना चाहिये।
- वैक्सीनेटर को ग्रेड दीजिए।

दिये गए उत्तरों के आधार पर ग्रेड – A, B, C दीजिए।

(स्टाल -2)

uotkr f'k'k dh igpku o Vfdx

vko';d lkexh %&

- दो भरी हुई नवजात शिशु ट्रैकिंग पुस्तिका की प्रतियाँ जिसमें एक सही ढंग से व दूसरी गलत ढंग से भरी हुई हो।
- घर–घर की टैलीशीट
- नियमित टीकाकरण कार्ड

bl LVky e nk fo"k;k ij ckrphr dh tk; %&

- नवजात शिशु की पहचान
- ट्रैकिंग

UkkV %& यह बहुत ही महत्वपूर्ण स्टॉल है, अतः इस विषय पर दो स्टॉल भी लगाई जा सकती है।

uotkr f'k'kvk dh igpku %&

वैक्सीनेटर से पूछे कि वह कैसे घर में या ननिहाल/अस्पताल में हुए नवजात शिशुओं की पहचान सुनिश्चित कर सकते है–

- परिवार और पड़ौसियों से पूछताछ करके
- दाई, आँगनवाड़ी कायकर्ता और आशा कार्यकर्ता से पूछताछ करके
- घर के बाहर खेल रहे बच्चों, समुदाय के नेताओं और धार्मिक नेताओं से पूछताछ करके
- घर के बाहर छोटे बच्चों को देखकर बच्चों का अंदाज़ा लगाकर

वैक्सीनेटर को नवजात पुस्तिका, टैलीशीट और नियमित टीकाकरण कार्ड भरने का प्रर्दशन करने को कहें। वैक्सीनेटर क्या करेगे यदि नवजात शिशु तथा उसके माता–पिता घर से बाहर या पास के गाँव में गये हुए हों :–

- नवजात पुस्तिका में दर्ज करेंगे ?

- उसके प्रतिरक्षण के बारे में पूछताछ करेंगे ?
- नवजात पुस्तिका भरेंगे और शिशु को ट्रैक करेंगे ?

यदि निम्न स्थितियों के अनुसार उन्हे छूटा हुआ नवजात शिशु मिलता है तो वैक्सीनेटर से कहे कि वे नवजात शिशु पुस्तिका भर कर दिखायें (वैक्सीनेटर को किसी एक स्थिति के अनुसार पुस्तिका भरवाऐं)।

- यदि आपको एक 1 वर्ष तक का बच्चा मिलता है जिसने अब तक पोलियो की एक भी खुराक नहीं ली हो तो नवजात पुस्तिका में उसका विवरण कैसे दर्ज करंगे?
- यदि शिशु 3 माह का हो और माता–पिता कहे कि बच्चे ने पोलियो की खुराक तीन बार पी है तो आप उसे नवजात पुस्तिका में कैसे दर्ज करंगे–
  - शिशु को पोलियो की खुराक पिलायेंगे और उसे प्रथम खुराक के तौर पर नवजात पुस्तिका दर्ज करेंगे (सही उत्तर)
  - शिशु को तीन बार प्रतिरक्षित मान कर नवजात पुस्तिका में दर्ज करेंगे। (गलत उत्तर)

uotkr f'k'k ik;% NV D;k tkr g \

- वैक्सीनेटर परिवार में पर्याप्त समय नहीं देते और कार्य समाप्त करने की जल्दी में रहते हैं।
- जब बच्चा घर से बाहर गया हुआ हो (जैसे ईंट भट्टा आदि में)।
- नवजात शिशुओं के बारे में सही प्रकार से पूछताछ न हुई हो।

(स्टाल –3)

[kjkd fiykus dh lgh fof/k rFkk mxyh ij fu'kku yxkuk

vko';d lkexh& वैक्सीन वॉयल (ड्रापर सहित), मार्कर पेन

वैक्सीनेटर से पूछें व बतायें :–

- खुराक़ पिलाते समय किन–किन बातों का अवश्य ध्यान रखना होता है?
- कैसे सुनिश्चित करेगें कि बच्चे के मुँह के अन्दर खुराक की दो बून्दें चली गई हैं।
- यदि दो बून्द की बजाय केवल एक ही बून्द पिलाई जाती है तो बच्चा प्रतिरक्षित नहीं माना जायेगा। खाँसी या उल्टी करके बच्चा यदि खुराक़ बाहर निकालता है तो ऐसी स्थिति में दुबारा से कुछ समय बाद पोलियो की खुराक़ पिलायेंगे।
- सोते या रोते बच्चे को जगा कर या शांत करके ही पोलियो की दो बून्द पिलायें।

[kjkd fiykrs gq;s okW;y dks gkFk esa fuEu çdkj ls idMsa

उंगली पर तब निशान लगाना है जब बच्चे ने खुराक़ पी ली है। इससे पहले निशान कभी न लगायें।

lk;ok{kd oSDlhusVj dks ekdZj isu nsus o mlls viuh vxqyh ij fu'kku yxkus dks dgs

lk;ok{kd uksV djsa %&

- किस अंगुली पर निशान लगाया गया ?
- क्या वैक्सीनेटर अंगुली पर नाखून व खाल पर पूरा निशान लगाता है ?
- क्या निशान लगाने के बाद वैक्सीनेटर पैन पर ढक्कन लगाता है ?

(स्टाल –4)

?kjk dh ekfdx o Vyh'khV Hkjuk

(पृष्ठ संख्या – 59 पर दिये अभ्यास के अनुसार वैक्सीनेटर से टैलीशीट भरवायें व प्रर्दशन करने को कहें कि घर के दरवाज़े पर क्या निशान लगायंगे।

lkexh&

ब्लैक बोर्ड और चॉक, टैलीशीट और पैन

P ?kjk dh ekfdx

टीम नम्बर घर संख्या → / तारीख

T36 P10 → / 22.07.10

X ?kjk dh ekfdx

टीम संख्या X व घर संख्या → / तारीख

T36 X40 → / 22.07.10

,l LFkkuk dh ekfdx tgk pYgk rk u tyrk gk ij cPpk d gku dh lHkkouk gk ldrh g

टीम संख्या → / तारीख

T 36 → / 22.07.10

iuHke.k ¼Revisit½ dh ekfdx %

T 36 X40 / 22.07.10 ↗ RV / 3:30 PM

T36 X40 (circled) / 22.07.10 ↗ P / 24.07.10

(स्टाल –5)

X ?kjk dk oxhZdj.k o iqu%Hke.k

किसी भी क्रम में X के वर्गीकरण के बारे में पूछें :–

- XH — बच्चा खेत, स्कूल, बाजार, खेलने गया है या सो रहा है, और उसके इस अभियान में B टीम तक लौटनें की संभावना है या परिवार को पता नहीं बच्चा कब लौटेगा? यदि किसी घर में कोई विशेष आयोजन (यथा शादी, यज्ञ, कथा, श्राद्ध इत्यादि) है।
- XS — बच्चा बीमार होने के कारण परिवार ने खुराक पिलवाने से मना कर दिया तथा ठीक होने के पश्चात खुराक पिलाने को इच्छुक है।
- XR — परिवार द्वारा बच्चे को खुराक पिलवाने से मना करना या आपको शक है कि परिवार बच्चे को छिपा रहा है।
- XV — बच्चा गॉव/शहर से बाहर या ननिहाल गया है तथा बच्चा इस अभियान की B टीम के कार्य की समाप्ति तक वापस नही लौट पायेगा।
- XL — घर पर ताला लगा है, और परिवार के 6 सप्ताह बाद ही लौटने की संभावना है।
- यदि एक ही घर में X के कारण अलग–अलग हैं, इस स्थिति में एक टैली शीट में निम्नानुसार किसी एक ही कारण में चिन्ह लगाएँ –

  XR + XS / XH / XV - XR का चिन्ह लगायें।

  XS + XH / XV - XS का चिन्ह लगायें।

  XH + XV - XH का चिन्ह लगायें।

  X वर्गीकरण की प्राथमिकता निम्न तरीके से समझी जा सकती है।

XR>XS>XH>XV>XL

बाईफेजिक एक्टिविटी के दौरान पुनःभ्रमण के लिए उचित समय पर भी चर्चा करें।

(स्टाल –6)

oDlhu dk VVM vkj dkYM pu dh tkudkjh o j[kj[kko

सुपरवाइजर के पास निम्न सामग्री अवश्य होनी चाहिये :–

- अलग–अलग VVM स्टेज के वैक्सीन वॉयल व वैक्सीन कैरियर
- चार जमे हुये आइस पैक
- प्लास्टिक जिप पाउच
- वॉयल ओपनर
- ड्रापर

oDlhuVj dk oDlhu ok;y ndj mlls iNs %&

- अलग–अलग VVM के वायल देकर पूछे कि वायल की वैक्सीन इस्तेमाल करने लायक है अथवा नहीं। जिन वॉयलों का वी॰वी॰एम॰ खराब स्थिति में पहुँच चुका है आप उनका क्या करेंगें?
- क्या उसे प्रतिरक्षण के लिये इस्तेमाल करेंगे ? यदि नहीं तो ऐसी वॉयल को कहां रखेंगे ?
- क्या उन खुले हुये वॉयलों का इस्तेमाल अगले दिन करेंगे जिनका वी॰वी॰एम॰ इस्तेमाल करने लायक है?
- बिना इस्तेमाल किये वॉयलों का क्या करेंगे जिनका वी॰वी॰एम॰ इस्तेमाल के लायक है?

lijokbtj çR;d oDlhuVj ls 'khrJ[kyk (cold chain) dh j[kj[kko dh ckjs esa iNs o inf'kr dju dk dgA

- वैक्सीन वॉयलों को पॉलीथीन के अन्दर रखकर वैक्सीन कैरियर में रखें।
- एक बार में एक ही वॉयल निकालें और प्रयोग करें।
- प्रत्येक वॉयल निकालने/रखने के उपरान्त पॉलीथीन को ठीक तरह से बन्द करें।
- आइसपैक को कैरियर से बाहर न निकालें।
- वैक्सीन कैरियर को ठीक तरह से बन्द करें।
- जमे हुए आईसपैक को जांचा जाए।

(स्टाल –7)

ik;% iN tkus okys iz'u

संलग्नक 1 में प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न व उनके उत्तर दिए गए हैं इनमें से कोई तीन प्रश्न वैक्सीनेटर से पूछें तथा उत्तर के अनुसार ग्रेड A, B या C दीजिये।

(स्टाल –8)

fu;fer Vhdkdj.k o nLr ds fy, fn, tkus okys ORS rFkk ftad xksfy;ksa dh tkudkjh

वैक्सीनेटर से परिवार को बताई जाने वाली नियमित टीकाकरण की मुख्य बातें पूछें।

- परिवार को माइक्रोप्लान के अनुसार टीकाकरण स्थल व टीकाकरण सत्र के आयोजित होने वाले दिन की जानकारी दें तथा नजदीकी उप–केन्द्र का पता व ए0एन0एम0 का नाम बतायें।
- परिवार को बतायें कि BCG का टीका तपेदिक, DPT का टीका गलघोटू, काली खाँसी व टिटनैस, OPV का टीका पोलियो तथा Measles का टीका खसरे से बचाव करता है।
- टीकाकरण कार्ड को सुरक्षित रखने व सत्र में ले जाने के लिए कहें।
- उन्हे बतायें कि कभी–कभी टीकाकरण के बाद हल्का बुखार या सुई लगने की जगह हल्की लाली आ सकती है। इससे घबरायें नही तथा टीकाकरण सत्र में दिये गये निर्देशों का पालन करें।

घर–घर भ्रमण के दौरान वैक्सीनेटर परिवार से पाँच वर्ष तक की आयु के दस्त से पीड़ित बच्चे की जानकारी लें। यदि परिवार में कोई बच्चा दस्त से पीड़ित हो तो निम्न करें :–

- ORS के पैकेट परिवार को दें तथा प्रभावित बच्चे को ORS का घोल पिलाने के लिए कहें। ORS के साथ परिवार को जिंक की गोलियाँ भी देने के लिए कहें।

- अविभावक को बतायें कि ORS का घोल साफ हाथों से साफ पानी में बनाएं, एक ORS पैकेट को एक लीटर पानी मे घोलें, बच्चे को ORS घूंट– घूंट करके थोड़े थोड़े अन्तराल से पिलायें। छोटे बच्चे को साफ चम्मच से ORS पिलाएं तथा एक बार बने हुये घोल का प्रयोग 24 घंटे के अन्दर करें। बचे हुये घोल को फेंक दें और यदि आवश्यकता हो तो नया घोल बनायें।
- यदि बच्चे की उम्र 2 माह से छः माह तक हो तो उन्हें बतायें कि 14 दिन तक जिंक की आधी गोली बच्चे को प्रतिदिन दें। यदि बच्चा छः माह से बड़ा हो तो 20mg वाली एक गोली 14 दिन तक रोज दें। इससे बच्चों को दस्त की जल्दी रोकथाम में सहायता मिलती हैं। यदि बच्चों को 14 दिन तक लगातार जिंक की गोली दी जाती है तो वो आगे आने वाले समय में दस्त से बचाव में सहायक होती है।
- यदि बच्चे के मल में खून आ रहा हो या बच्चा खुराक न ले रहा हो, ORS का घोल न पी रहा हो, बार–बार उल्टी कर रहा हो, लगातार दस्त कर रहा हो व लम्बे समय तक मूत्र त्याग न कर रहा हो तो नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टर की सलाह लेने के लिये कहें।

çi= & ,d

cDlj ekM;wy oDlhuVj xfMx 'khV

(पर्यवेक्षक के प्रयोग हेतु)

ब्लाक :..... प्रशिक्षण की तिथि :.....

सुपरवाईज़र का नाम	टीम नं.	वैक्सीनेटर का नाम	घरों में प्रवेश करना व माता पिता से पूछे जाने वाले प्रश्न	नवजात शिशु पहचान व ट्रैकिंग	खुराक पिलाने की सही विधि व अंगुली पर निशान	घरों की मार्किंग व टैलीशीट भरना	X घरों का वर्गीकरण	VVM और कोल्ड चेन की जानकारी व रखरखाव	प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न	नियमित टीकाकरण व जिंक गोलियों की जानकारी	*अन्य कोई विषय जिसे SMO एवं ट्रेनर द्वारा निर्धारित किया गया हो। (अन्यथा यह कॉलम छोड़ दें)

ukV% इस भरे हुये प्रपत्र की एक कापी प्रशिक्षक अपने साथ लेकर एस॰एम॰ओ॰ के सुपुर्द करें।
इस भरे हुये प्रपत्र की एक कापी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्साधिकारी को दी जानी चाहिये

{k= ftue rRdky çf'k{k.k dh vko';drk g

क्र॰ सं॰	वैक्सीनेटर का नाम	क्षेत्र	प्रशिक्षण देने की तिथि

भाग

ट्रेनर नोट्स हेतु

बूथ दिवस कार्यकलाप

(इस भाग का प्रयोग 'भाग ए' व 'भाग बी' के खण्ड 1, 2 व 3 के साथ बूथ ट्रेनिंग हेतु करें)

इस भाग का प्रयोग ट्रेनर बूथ ट्रेनिंग हेतु करें। इस प्रशिक्षण के आरम्भ में ट्रेनर सभी प्रतिभागियों का परिचय करवाऐं तथा नए वैक्सीनेटरों का अभिनंदन कर उनको प्रोत्साहित करें।

- सभी प्रतिभागियों को विश्व, भारत व उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम की उत्साहवर्धक सफलता से अवगत कराऐं।
- कार्यक्रम की प्राथमिकताओं, सफल वैक्सीनेटर के गुणों व वैक्सीनेटर के मुख्य कार्यों की चर्चा "भाग ए" के अनुसार करें।

cFk dh LFkkiuk o lpkyu & ट्रेनर प्रतिभागियों से इस हेतु अभिनय (रोल प्ले) करायें।

jky ly d egRoi.k fcUn %&

- बूथ दिवस के पूर्व की तैयारी
- बूथ दिवस पर बूथ स्थापना व संचालन का व्यवहारिक प्रदर्शन
- बूथ कर्मियो में कार्य का विभाजन – कौन क्या करेगा ?

fuEu dk;k ij fo'k"k cy n &

- **cFk dh LFkkiuk** ऐसी जगह हो जहाँ अभिभावक व लाभार्थी सरलता से पहुंच सकें जैसे कि सामुदायिक केन्द्र, स्थानीय विद्यालय, ग्रामीण चौपाल आदि।
- **cFk Nk;knkj LFkku ij** स्थापित किया जाए – वैक्सीन वायल एवं वैक्सीन कैरियर धूप में नहीं रखना चाहिए।
- **LFkkuh; iHkko'kkyh 0;fDr@tu urk** से बूथ का उद्घाटन कराएं और उनसे बूथ पर कुछ समय रहने का अनुरोध करें।
- **cFk ij mRlo tlk okrkoj.k** बनाने हेतु बैनर, पोस्टर, गुब्बारे, झण्डियों आदि का प्रयोग करें।
- धार्मिक स्थानों, बूथ, सामुदायिक केन्द्रों, स्थानीय बाजारों पर अलग–अलग समय पर लाउडस्पीकर से आडियो टेप बजवाएं एवं ऐलान करवायें।
- बूथ स्थल पर पोलियो गीत से उत्सव जैसा वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।
- स्थानीय स्वयंसेवी से आग्रह करके कुर्सी, चारपाई आदि की व्यवस्था करें जहाँ प्रतीक्षारत माताएं व सामुदायिक सदस्य आदि बैठ सकें।
- बूथ पर अधिकतम बच्चों को प्रतिरक्षित करने हेतु बच्चों की बुलावा टोली बनवायें।
- बूथ पर सुव्यवस्था हेतु निम्न कार्यप्रणाली अपनायें :
    - सामान्य रुप से एक बूथ पर तीन प्रशिक्षित कर्मी काम करते हैं।
    - एक सदस्य अभिभावकों का स्वागत कर लक्षित बच्चों को दवा पिलाएगा व प्रतिरक्षित बच्चे के बायें हाथ की छोटी अंगुली के नाखून व खाल पर मार्कर पेन से निशान लगाएगा।
    - दल का दूसरा सदस्य प्रत्येक बच्चे के प्रतिरक्षण के तुरन्त बाद टैलीशीट भरेगा।
    - दल का तीसरा सदस्य प्रतिरक्षण के बाद अभिभावकों को अगले चरण की तिथि तथा नियमित टीकाकरण जारी रखने के सम्बन्ध में सलाह दें।
    - बूथ पर अनावश्यक सूचना अंकन जैसे नाम, पता या सूची से मिलान जैसी प्रक्रिया को त्याग दें।
    - बारी–बारी से एक सदस्य घरों के बच्चों को बूथ पर बुलवाएें।

- पिछले चरण की X टैलीशीट (tallysheet) का प्रयोग कर छूटे हुए बच्चों को बूथ दिवस पर ही प्रतिरक्षित करने का प्रयास करें।

> ☞ **oDlhuVj cFk d ikl l xtju oky cPpk dk cykdj mUg ifrjf{kr dju gr tkx#d jgA bl dk;l e LFkkuh; f'k{kd] Lo;loh] ,u0 lh0 lh0 dMV o LFkkuh; ;odk vkfn dk lg;kx yuk pkfg,A**

- केवल 1 वायल एक समय में निकालें और उसे बाहर ही रखें।
- वैक्सीन वायल को ठंडा रखने हेतु वैक्सीन कैरियर से आइस पैक बाहर निकाल कर न रखें।
- वी.वी.एम. की महत्ता की चर्चा भाग बी के खण्ड 1 के अनुसार करें।
- बच्चों को खुराक पिलाने की सही विधि भाग बी के खण्ड 2 के अनुसार समझाएं।
- खुराक पिलाने के बाद अंगुली पर निशान लगाने की प्रक्रिया की चर्चा भाग बी के खण्ड 3 के अनुसार करें।

cFk ij fuEu oLr, miyC/k gkuh pkfg, %&

- वैक्सीन कैरियर, आइस पैक्स, ज़िपर बैग व पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन व ड्रापर
- पर्याप्त संख्या में टैलीशीट
- टैलीशीट मार्क करने हेतु पेन
- अमिट स्याही वाले मार्कर पेन
- वायल खोलने हेतु एक छोटा पेचकस/वायल ओपनर (एल्युमुनियम सील खोलने हेतु)

ट्रेनर को चाहिए कि वे प्रतिभागियों को बूथ पर आने वाले अभिभावकों व बच्चों से शालीन व्यवहार के महत्व एवं लाभों को अवश्य समझा दें।

गर्मी के महीनों में बूथ प्रातः काल प्रारम्भ करना चाहिए।

ट्रेनर नोट्स हेतु

भाग

ट्रेनर नोट्स हेतु

ट्रांजिट व मोबाईल टीम के वैक्सीनेटरों का प्रशिक्षण

(इस भाग का प्रयोग भाग ए व भाग बी के खण्ड 1, 2, 3 व 9 के साथ केवल ट्रांजिट व मोबाईल टीमों के प्रशिक्षण के लिए करें)

VkftV fcUn| ij ,o ekckby Vhek e dk;l dju oky oDlhuVjk dk cFk ,o ?kj&?kj Hke.k dju oky oDlhuVjk l vyx çf'k{k.k l= e çf'kf{kr djA

lfuf'pr dj fd çf'k{k.k l= d nkjku vkiu fuEufyf[kr fcUn|vk ij ppk dj yh g %&

- सभी वैक्सीनेटरों एवं सुपरवाइजरों का परिचय।
- पोलियो की वर्तमान स्थिति पर चर्चा एवं वैक्सीनेटरों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई।
- पिछले चरणों की समीक्षा के आधार पर उस क्षेत्र की ट्रांजिट टीमों/मोबाइल टीमों के कार्य का आवश्यक फीडबैक।

VkftV fcUn|vk d oDlhuVjk dk if'k{k.k

निम्नलिखित विषयों पर चर्चा सुनिश्चित करें :–

- VVM, ओपन वॉयल पोलिसी एवं कोल्ड चेन का रखरखाव (भाग बी खण्ड 1)
- ट्रांजिट बिन्दुओं पर वैक्सीनेटर कैसे काम करें
- माता–पिता के साथ विनम्रता पूर्वक बात–चीत व उनके सवालों का जवाब (भाग बी खण्ड 8 व संलग्नक 1)
- बच्चे को प्रतिरक्षित करने का तरीका (भाग बी खण्ड 2)
- बच्चे को प्रतिरक्षित करने के बाद अंगुली पर निशान लगाना (भाग बी खण्ड 3)
- टैलीशीट पर निशान लगाना
- माता–पिता को मुख्य संदेश देना (भाग बी खण्ड 9)

Vªuj çf'k{k.k l= dk fy, vko';d lkexzh Hkkx , dk [k.M 4 dk vuqlkj viuk lkFk j[kA

Vªuj uhpk fn;k x;k fo"k;k dk foLrkjiwod o oDlhuVj dk lkFk ckr&phr djrk gq;s lEckf/kr djsa rFkk ifrHkkfx;ksa ls ckrphr djdk mUgsa le>k;sa fd VªkftV LFkyksa ij dk;Z dSls fd;k tkuk pkfg;s %&

- ट्रांज़िट स्थल पर तैनात वैक्सीनेटर सक्रिय रूप से बच्चों को ढूढ़ता हुआ घूमता रहे और बच्चों को प्रतिरक्षित करते हुए उंगली पर निशान लगाता रहे।
- प्रत्येक वैक्सीनेटर के पास अपनी वैक्सीन, मार्कर व टैलीशीट हो।
- ट्रांजिट स्थल पर तैनात वैक्सीनेटर दी गई कैप व एप्रैन/जैकेट अवश्य पहने इससे उनकी पोलियों खुराक पिलाने वाले के रूप में पहचान सुनिश्चित होती है व आने जाने वालों को उनकी उपस्थिति पता चल जाती है।
- ट्रांजिट स्थल पर वैक्सीनेटर उस स्थान से आने–जाने वाले सभी वाहनों में एव पैदल लोगों में से पाँच साल से छोटे बच्चे की पहचान कर उन्हें प्रतिरक्षित करने का प्रयास करे :–

okgu@vfHkHkkod dk vfHkoknu dk lkFk jkdkA

- ◆ अभिभावक से अनुमति लेकर बच्चे की उंगली की जाँच कर ये पता करें कि इस चरण में बच्चे का प्रतिरक्षण हुआ है या नहीं।
- ◆ यदि बच्चा वर्तमान राऊंड में प्रतिरक्षित नहीं हुआ है तो माता–पिता से पोलियो की खुराक पिलाने का आग्रह करें।
- ◆ वैक्सीनेटर बच्चे को प्रतिरक्षित करने से पहले अभिभावकों की आज्ञा अवश्य लें। यदि बच्चा अकेला मिले तो पहले उसके माता–पिता व अभिभावक की खोज करें तथा उनकी आज्ञा लेकर ही बच्चे को प्रतिरक्षित करें।
- ◆ यदि माता–पिता को कोई शंका हो तो पहले नम्रतापूर्वक उसका समाधान करें।
- ◆ बच्चे को प्रतिरक्षित करने के पश्चात परिवारजनों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद करें तथा अगले राऊंड के बारे में भी बतायें।
- ◆ यदि अभिभावक बच्चे को प्रतिरक्षित करने से मना करें तो नम्रतापूर्वक उन्हें समझायें यदि वह फिर भी न समझे तो लम्बे तर्क–वितर्क से बचते हुए दूसरे अप्रतिरक्षित बच्चे की तलाश करें।

çR;sd oSDlhusVj vkus tkus okys gj cPps dh vaxqyh ij fu'kku ns[ks] fu'kku ds vk/kkj ij gh cPps dks çfrjf{kr vFkok vçfrjf{kr eku rFkk fcuk fu'kku okys cPpksa dks çfrjf{kr rFkk fpfUgr djsaA

यदि किसी समय ट्रांजिट बिन्दु से बच्चों का आवागमन नहीं हो रहा हो तो दल का एक सदस्य नजदीकी भीड़भाड़ वाले स्थल जैसे दुकानों के सामने, खेल के मैदान में जाकर बच्चों को प्रतिरक्षित करने का प्रयास करें।

oSDlhusVj dks tkudkjh ns fd VªkaftV LFky fofHkUu izdkj ds gks ldrs gSa ¼tSls& jsyos LVs'ku] cl LVS.M] pkSd pkSjkgk ,oa gkV cktkj bR;kfn½ ,oa bu LFkyksa esa dk;Z djus djuk gS] foLr`r :i ls crk,sa %

jsyos LVs'ku ij rSukr VªkaftV Vhe

- रेलवे स्टेशन पर जहाँ तक हो सके हर संभव द्वार पर वैक्सीनेटर तैनात रहें तथा अतिरिक्त वैक्सीनेटर प्लेटफॉर्म में घूमते हुए प्रतिरक्षण करें।
- ट्रेन के आगमन से पहले द्वार पर आने जाने वाले अभिभावकों के साथ बच्चों को उनके साथ चलते हुए प्रतिरक्षित करने का आग्रह करें। वैक्सीनेटर प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अभिभावकों की भीड़ में घूमकर बच्चों को प्रतिरक्षित करें।
- ट्रेन के आगमन पर सभी वैक्सीनेटर अपने आपको हर आने जाने वाले द्वार पर पुनः व्यवस्थित करें। सभी द्वारों पर स्टेशन से बाहर जाने वाले बच्चों की जाँच करें। ट्रेन के आगमन पर वैक्सीनेटर रेलवे द्वारा नियुक्त व्यक्तियों की मदद से आने जाने वाले हर बच्चे को प्रतिरक्षित करें।
- रेलवे अधिकारियों से आग्रह कर पोलियों अभियान की घोषणा का प्रयास करें।

cl vM~Ms ij rSukr VªkaftV Vhe

- बस अडडे पर जहाँ तक हो सके हर संभव द्वार पर वैक्सीनेटर तैनात रहें तथा अतिरिक्त वैक्सीनेटर बस स्टैंड में, जहाँ यात्री प्रतीक्षा कर रहे हों, पर घूमते हुए बच्चों को प्रतिरक्षित करें।
- वैक्सीनेटर बस के आगमन से पहले द्वार पर आने जाने वाले अभिभावककों के साथ के बच्चों को तथा बस अड्डे पर प्रतीक्षा कर रहे अभिभावकों की भीड़ में घूमकर बच्चों को प्रतिरक्षित करें।

- पोलियो अभियान की घोषणा करवाने का प्रयास करें।
- बस के आगमन पर वैक्सीनेटर यात्रा कर रहे हर 5 साल से छोटे बच्चे को प्रतिरक्षित करें।
- वैक्सीनेटर बस में चढ़कर, उतरने और चढ़ने वाले तथा यात्रा कर रहे बच्चों की जाँच कर उन्हे प्रतिरक्षित करें।

vU; Vkf tV LFkkuk ij rukr Vhe & egRoi.k ekx] gkbo fLFkr Vky cFk] cfj;j bR;kfn%

- इस प्रकार के ट्रांजिट स्थल पर वैक्सीनेटर ऐसे स्थान पर खड़े हों (आमने सामने) जिससे कि सभी तरफ से होनेवाले आवागमन की जांच एवं प्रतिरक्षण किया जा सके। दोनों वैक्सीनेटर यथासंभव एक साथ खड़े न हों।
- वैक्सीनेटर, चौकीदार/एन.सी.सी. तथा अन्य कार्यकर्ताओं की मदद से बसों व अन्य वाहन जैसे जीप,टैम्पों, ऑटो रिक्शा, साईकिल, ट्रैक्टर ट्रॉली, बैलगाड़ी (बग्गी) आदि को रोककर यात्रा कर रहे बच्चों को प्रतिरक्षित करें।
- बस के आगमन पर बच्चों की जाँच कर उन्हे प्रतिरक्षित करें।
- यात्रियों के बस में चढ़ने व उतरने के पश्चात बस चालक व परिचालक को सूचित कर बस में जाकर यात्रा कर रहे बच्चों को प्रतिरक्षित करें।

ey o /kkfeld lHkkvk ij rukr Vkf tV Vhe

- मेले व धार्मिक सभाओं में आने व जाने वाले प्रत्येक द्वार पर वैक्सीनेटर तैनात रहें तथा समुदाय के हर आने जाने वाले बच्चे की जाँच कर उन्हे प्रतिरक्षित करें।
- अतिरिक्त वैक्सीनेटर मेले व धार्मिक सभाओं में जाकर घूमें तथा पूरे स्थल में घूमकर भीड़ में जाकर बच्चों की पहचान कर उन्हे प्रतिरक्षित करें।

lklrkfgd ckt kj o gkV ij rukr Vkf tV Vhe

- वैक्सीनेटर साप्ताहिक बाज़ार व हाट में जाकर घूमें तथा पूरे स्थल में घूम–घूम कर बच्चों की पहचान कर उन्हे प्रतिरक्षित करें।
- **cPpk dk OPV dh [kjkd fiykus dh fof/k &** (भाग बी के खण्ड 2 के अनुसार इस विषय पर चर्चा करें)

- **oDlhu ok;y ekuhVj o 'khrJ[kyk &** (भाग बी के खण्ड 1 के अनुसार इस विषय पर चर्चा करें)
- **vxyh ij fu'kku yxku dh ifØ;k crk, o in'ku dj &** (भाग बी के खण्ड 3 के अनुसार इस विषय पर चर्चा करें)

Vyh'khV ekfdx %

- बच्चे को प्रतिरक्षित करने व अंगुली पर निशान लगाने के पश्चात टैलीशीट पर प्रतिरक्षित बच्चों की संख्या के खाने में प्रत्येक 0–5 वर्ष के बच्चे के लिए निशान (✓) लगायें, एक प्रतिरक्षित बच्चे के लिए एक (✓) निशान लगाएंगे।
- ट्रांजिट वैक्सीनेटर इस प्रकार खुराक पिलाये गये बच्चे को ट्रांजिट टीम टैलीशीट में दर्ज करेंगे।
- कार्यक्रम के अन्तिम दिन प्रतिरक्षित किए गये बच्चों का नाम, पिता का नाम व पता, टैलीशीट के पीछे अवश्य लिखें।
- अगर किसी दल के पास वैक्सीन या कोई अन्य सामग्री समाप्त हो जाए या कम पड़ जाए तो पर्यवेक्षक या अन्य निकटवर्ती ट्रांजिट टीम से उसकी आपूर्ति करना सुनिश्चित करें।
- ट्रेनर ट्रांजिट टीम टैलीशीट को भरने का अभ्यास सभी प्रतिभागियों से करवाएें।

> ☞ **;kn j[k & çR;d VkftV Vhe dk gj oDlhuVj viu ikl vyx oDlhu ok;y] ekdj iu] Vyh'khV j[k rFkk VkftV Vhe deh ,iu@tfdV dk dke d le; ge'kk iguA VkftV LFky d vkl&ikl l vku tku oky cPPkk dh vxfy;k d fu'kku dh ?kke&?kke tkp djr jgA**

ekckby Vhek d oDlhuVjk dk if'k{k.k

निम्नलिखित विषयों पर चर्चा सुनिश्चित करें :–

- VVM, ओपन वॉयल पोलिसी एवं कोल्ड चेन का रखरखाव (भाग बी खण्ड 1)
- मोबाइल टीमों में वैक्सीनेटर कैसे काम करें

- माता–पिता के साथ विनम्रता पूर्वक बात–चीत व उनके सवालों का जवाब (भाग बी खण्ड 8 व संलग्नक 1)
- बच्चे को प्रतिरक्षित करने का तरीका (भाग बी खण्ड 2)
- बच्चे को प्रतिरक्षित करने के बाद अंगुली पर निशान लगाना (भाग बी खण्ड 3)
- टैलीशीट पर निशान लगाना
- माता–पिता को मुख्य संदेश देना (भाग बी खण्ड 9)
- घरों को चिन्हित करना

Vuj çf'k{k.k l= d fy, vko';d lkexh Hkkx , d [k.M 4 d vu lkj viu lkFk j[kA

मोबाइल टीमों का गठन मुख्यतः उच्च जोखिम वाले समुदायों (HRGs) जैसे घुमन्तु आबादी, मलिन बस्तियां, निर्माणाधीन स्थलों, ईंट भट्ठे व पथेरों, पलेज, डेरों व अन्य दुर्गम क्षेत्रों के लिए किया जाना चाहिए।

ऐसे क्षेत्रों में कार्य करने हेतु कुछ बातों पर ध्यान दिलाना अति आवश्यक है :–

- भ्रमण का समयः यह समुदाय प्रायः प्रातः काल से देर सांय काल तक निवास स्थान से दूर कार्य करने हेतु जाते है। अतः इन क्षेत्रों में उनके घर में उपस्थिति के अनुसार उपयुक्त समय पर मोबाईल टीम भ्रमण करें।
- यदि भ्रमण के समय किसी घर में विश्वस्नीय उत्तर देने योग्य कोई व्यक्ति न हों तो ऐसे घरों में X का चिन्ह लगायें।
- इस क्षेत्र के घरों, मैदानों एवं आस–पास जहाँ बच्चों के मिलने की संभावना हो, भ्रमण कर के सभी बच्चों को प्रतिरक्षित करने का प्रयास करें।
- ऐसे परिवार, जिन्होने अपने बच्चों का नियमित टीकाकरण पूर्ण नही करवाया है उनको टीकाकरण के लिए प्रेरित करें, नजदीकी उपकेन्द्र का पता एवं ANM का नाम बताएं तथा टीकाकरण सत्र के आयोजित होने वाले दिन व समय की जानकारी दें।

?kjk dk fpfUgr djuk

प्रत्येक घर में परिवार के मुखिया एवं उस घर के सभी नवजात से 5 वर्ष तक के बच्चों का नाम तालिका में अंकित करें

प्रत्येक घर पर मोबाइल टीम निशान ऐसे लगायें।

MT - (team no)	MT - 21
→	→
Date	26.10.10

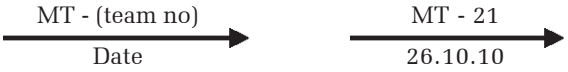

lHkh V'kkftV o eksckby Vhekas dks [k.M 9 esa fn;s x, lans'kksa ls voxr djk;sa o dk;Z ds le; ekrk&firk dks mudks ckjs esa crkus ds fy, izsfjr djsaA

संलग्नक –1

ik;% iN tku oky i'u o mÙkj

प्रश्न 1 पोलियो क्या है ?

उत्तर पोलियो एक संक्रामक रोग है जो प्रायः छोटे बच्चों में ज्यादा होता है। यह बीमारी बच्चे के किसी भी अंग को जिन्दगी भर के लिये अपंग कर देती है। पोलियो लाइलाज है। बचाव ही इसका एकमात्र उपाय है। पोलियो की खुराक हर बार हर राउन्ड में पाँच साल से छोटे बच्चों को जरुर पिलानी चाहियें। ऐसा करने से बच्चे को जीवन भर पोलियो की बीमारी से सुरक्षा मिलती है।

प्रश्न 2 क्या नवजात शिशु को यह खुराक पिलाना जरूरी है ?

उत्तर जी हाँ, यह खुराक तुरन्त जन्मे नवजात शिशु को भी पिलानी चाहिये। निश्चिंत होकर अपने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक अवश्य पिलायें। इससे किसी भी प्रकार का कोई खतरा नही है।

प्रश्न 3 पोलियो की खुराक बार बार क्यों पिलाई जा रही है ?

उत्तर क्यों कि बार बार खुराक पिलाने से बच्चों में इस बीमारी से लड़ने की क्षमता और बढ़ती है। ऐसा करने से पोलियो विषाणु को शरीर में पनपने की जगह नहीं मिल पाती और वह बच्चे के शरीर में नहीं घुस पाता।

प्रश्न 4 क्या पोलियो की खुराक बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है?

उत्तर जी हाँ, पोलियो की खुराक पिलाने से बच्चों को किसी भी प्रकार का कोई भी खतरा नहीं है। अगर पोलियो की खुराक के तुरन्त बाद किसी भी प्रकार की कोई भी तकलीफ हो तो यह एक संयोग है, क्योंकि तब तक बच्चे में पहले से कोई और बीमारी घर कर चुकी होगी जिसका पहले से पता नहीं चलता।

प्रश्न 5 क्या पोलियो की खुराक खांसी, जुकाम, बुखार, दस्त या किसी अन्य रोग से ग्रस्त बच्चों को भी पिलाई जा सकती है?

उत्तर जी हाँ यह खुराक, जुकाम, बुखार, दस्त या किसी अन्य रोग से पीड़ित बच्चों को भी पिलाई जा सकती है। पोलियो की खुराक पिलाने से बच्चों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

प्रश्न 6 जिन बच्चों ने नियमित टीकाकरण के दौरान एक या दो दिन पहले पोलियो ड्राप पी हों, तो भी क्या उन्हें यह खुराक पिलानी चाहिए ?

उत्तर जी हाँ, बच्चे ने नियमित टीकाकरण के दौरान 1 या 2 दिन पहले भी यह दवा पी हो तो भी उसे पोलियो ड्राप की अतिरिक्त खुराक पल्स पोलियो अभियान के दौरान भी पिलाई जानी चाहिये। यह अतिरिक्त खुराक पोलियो के विषाणु का प्रसार रोकेगी तथा पूरा देश पोलियो मुक्त हो सकेगा।

प्रश्न 7 अफवाह है कि पोलिया की खुराक का नपुंसकता से सम्बन्ध है, क्या यह सच है?

उत्तर यह अफवाह बिल्कुल बेबुनियाद है और गलत है। इस दवा का नपुंसकता से कोई सम्बन्ध नही है। विश्व में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, अरब देश, जापान तथा बंगला देश में सभी समुदाय के बच्चों को यह खुराक पिलाई जाती है। आज तक किसी को भी पोलियो की खुराक से कोई नुकसान नही हुआ है। हमारे देश में भी यह खुराक हर धर्म – हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख व ईसाई समुदाय के बच्चों को भी पिलाई जाती है।

संलग्नक–2

Vyh'khV ,oa ?kjksa dk fpUghdj.k djus dk vH;kl

पोलियो अभियान के दौरान ब्लाक मनौटा के माधोपुर गॉव में टीम नम्बर–40 घर–घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने का काम कर रही है। इस अभियान की शुरुआत रविवार, 21 मार्च 2010 को हुयी थी। 21 मार्च को बूथ दिवस था। आज बुधवार 24 मार्च को घर–घर के कार्य का तीसरा दिन है। टीम में V1 शकीला (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) V2 रामवती (आशा) व V3 के रूप में श्याम सिंह (स्वंय सेवी) कार्यरत है। B टीम 30 मार्च को प्रस्तावित है। इस टीम की ओर से टैलीशीट भरने तथा घर के बाहर उपयुक्त निशान लगाने का अभ्यास करें।

- शिव मन्दिर के निकट पहले घर में सोहन का परिवार रहता है। सोहन के दो बच्चे हैं, एक 6 महीने का और दूसरा 4 वर्ष का है। टीम दोनों बच्चों को आज घर पर खुराक पिलाती है। घर में एक चूल्हा जलता है।
- दूसरा घर रहीम का है, जिसमें उनके साथ उनके तीन भाई भी रहते हैं। रहीम के दोनो बच्चे पाँच वर्ष से बड़े है। एक भाई के पाँच वर्ष से छोटे 2 बच्चे हैं जिन्हें बूथ वाले दिन पोलियो की खुराक पिलायी गयी है उनकी अंगुली पर निशान लगे हैं। दूसरे भाई के पाँच वर्ष से छोटे 2 बच्चे हैं जो अपने पिता के साथ मुम्बई में रहते हैं और साल में एक बार गॉव आते हैं। इस समय बच्चे मुम्बई में है। तीसरे भाई की अभी शादी नहीं हुयी है। घर में एक चूल्हा जलता है।
- तीसरा घर दिनेश का है। जिसमें दिनेश और उसके छोटे भाई रमेश का परिवार रहता है। दिनेश का कोई बच्चा नहीं है। रमेश लखनऊ में रहता है। रमेश के दो बच्चे हैं जिसकी उम्र 10 दिन और 4 वर्ष है। टीम दोनो बच्चों को आज पोलियो की खुराक पिलाती है। टीम ने खुराक पिलाने के बाद 10 दिन वाले बच्चे को नियमित टीकाकरण कार्ड दिया है यह क्षेत्र बिलारी उपकेन्द्र के अन्तर्गत है यहाँ निर्मला ANM काम करती है। बच्चे की माता का नाम अनीता है। घर में एक चूल्हा जलता है।
- चौथा घर अब्दुल कुरैशी का है जो ताला बन्द है। पड़ौसियों ने बताया कि वे शाम तक आ जाएंगे।

- पाँचवा घर अशोक सिंह का है, जिसमें अशोक और उसके भाई जगदीश का परिवार रहता है। अशोक का बेटा 9 माह का है, उसे टीम पोलियो की खुराक पिलाती है। जगदीश के दो बच्चे 5 वर्ष से छोटे हैं और आजकल ननिहाल गये है एवं 4 दिन बाद लौटेंगें। बच्चों के नाम मोहन – 3 वर्ष, अनीता – 1 वर्ष हैं। घर में एक चूल्हा जलता है।

- छठा घर कल्लू यादव का है। उसके दो बच्चे 4 वर्ष और 3 माह के हैं। टीम 3 माह वाले बच्चे को आज घर पर खुराक पिला देती है। दूसरा बच्चा ननिहाल गया है, उसका नाम रमेश यादव है और वह 6 हफ़्ते बाद आयेगा।

- सातवाँ घर अनिल मिश्रा का है। उनके 5 वर्ष से छोटे दो बच्चे हैं जो खेत पर गये हुये हैं और दोपहर बाद आयेंगे। बच्चों के नाम सचिन–4 वर्ष, व सौरभ 1 वर्ष है। दोपहर बाद पुनः भ्रमण में टीम दोनो बच्चों को घर पर खुराक पिला देती है।

- आठवाँ घर मुन्ना ठाकुर का है, जिनके दो बच्चे है। उनके नाम संजय– 3 वर्ष व करन– 6 माह है। मुन्ना ठाकुर बच्चों को बीमार बता कर खुराक पिलाने से मना कर देता है पर दोपहर बाद प्रभावशाली व्यक्ति के समझाने पर दोनो बच्चों को पोलियो खुराक पिलवा देता है।

- अगले घर में सरताज का परिवार रहता है सरताज के तीन शादीशुदा लड़के शमीम, रहमान व रिजवान है। तीनों के चूल्हे अलग अलग है। सरताज की पत्नी का चूल्हा अलग है। सरताज व उसकी पत्नी के चूल्हे पर कोई पाँच वर्ष से छोटा बच्चा नही है, न ही कोई बाहर से नाती पोता या कोई और छोटा बच्चा आया हुआ है। शमीम का सरताज से अगला चूल्हा है पर उसके घर में ताला लगा हुआ है और उसके पिता व भाई ने बताया कि उसकी पत्नी अपने बच्चों (सायरा – 4 साल सुहैल – 7 साल) के साथ अपने मायके गयी है। ये सब दो महीने बाद लौटेंगे। उससे अगला चूल्हा रहमान का है। उसके दो बच्चे (समीर–1 साल, शोयब–3 साल) है। समीर को टीम आज खुराक पिलाती है पर शोयब को तेज बुखार व खांसी व पसली चल रही है। रहमान टीम को डाक्टर का परचा और दवाई दिखाता है और टीम से शोयब को पसली चलना बंद हाने के बाद खुराक पिलाने का अनुरोध करता है। उससे अगला चूल्हा रिजवान का है। रिजवान की एक बच्ची मुमताज़ उम्र तीन साल है। बच्ची ने इतवार को बूथ पर खुराक पी ली थी और उसकी अंगुली पर निशान है।

- टीम के आज के कार्य का अन्तिम घर सुलेमान पुत्र असलम निकट टैलीफोन एक्सचेन्ज है। उसकी घर संख्या 98 है। उसका 5 वर्ष से छोटा कोई बच्चा नहीं है। उसके घर उसकी बहन रसीदन के 2 बच्चे आये हुये हैं जो 5 वर्ष से छोटे हं जिन्हें उसकी बहन खुराक पिलाने से इनकार कर देती है। छोटे बच्चे का नाम रशीद व बडे बच्चे को नाम सलीम है, उनकी उम्र 2 वर्ष व 3 वर्ष है। बच्चों के पिता का नाम नईम है।

- टीम ने आज के कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले दिल्ली पब्लिक स्कूल में 6 बच्चों को व हाफिज रईस के मदरसे में 4 बच्चों को आज पोलियो की खुराक पिलाई। टीम को 6 भरी वॉयल दी गई थी। कार्य के बाद टीम 2 भरी वॉयल वापस करती है।

bl vH;kl gsrq Vhuj LFkkuh; vko';drk ds vuqlkj Lo;a ?kj ds fpUghdj.k o Vsyh'khV Hkjus dh dqN fLFkfr;ka ds vH;kl djk ldrs gSA